जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शनिवार 15 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

श्री अमित शाह

के कर कमलों से

₹12,112 करोड़

के विकास कार्यों की सौगात

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

67 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के ₹667 करोड़ की DBT

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत ₹152 करोड़ की DBT

10,548 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र

सड़क . ऊर्जा . पेयजल . शिक्षा . डेयरी . लोक निर्माण
स्वास्थ्य एवं अन्य आधारभूत संरचनाएं

अलवर

17 जिले को ₹6,453 करोड़ के 954 विकास कार्य

387 कार्यों का शिलान्यास
567 कार्यों का लोकार्पण

विजय नगर ग्राउंड
अलवर

निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़

15 जिले को ₹5,659 करोड़ के 944 विकास कार्य

442 कार्यों का शिलान्यास
502 कार्यों का लोकार्पण

डॉ. भीमराव अंबेडकर
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़)

16 अगस्त, 2026

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

80वें स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

विचार बिन्दु

राजस्थान : भारत की रेयर अर्थ तत्वों की राजधानी बनने की ओर

बीसवीं शताब्दी में जिस देश के पास तेल के बड़े भंडार थे, वही दुनिया की अर्थव्यवस्था और राजनीति को प्रभावित करता था। इक्कीसवीं शताब्दी में परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, पवन ऊर्जा, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष विज्ञान और आधुनिक रक्षा तकनीक का भविष्य रेयर अर्थ तत्वों (रेयर अर्थ इलेमेन्टस) और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्भर होता जा रहा है। इसलिए आने वाले समय में जिस देश के पास इन खनिजों के साथ-साथ उनके प्रसंस्करण और उपयोग की तकनीक होगी, वही औद्योगिक प्रतिस्पर्धा में आगे रहेगा। इसी बदलती वैश्विक स्थिति के बीच राजस्थान के लिए एक बड़ी संभावना सामने आई है। राजस्थान नई (एक्सप्लोरेशन लाईसेन्स) व्यवस्था के तहत रेयर अर्थ तत्वों के लिए का औपचारिक निष्पादन करने वाला देश का पहला राज्य बना है। यह केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि राजस्थान को भविष्य की उच्च-तकनीकी अर्थव्यवस्था से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम है । रेयर अर्थ तत्व वास्तव में 17 धात्विक तत्वों का समूह है। इनमें लैंथेनम, सेरियम, प्रसीओडिमियम, नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे तत्व प्रमुख हैं। इनका उपयोग ऐसे शक्तिशाली स्थायी चुंबक बनाने में होता है, जिनके बिना आधुनिक तकनीक के अनेक उपकरणों की कल्पना मुश्किल है। इलेक्ट्रिक वाहन, पवन टर्बाइन, ड्रोन, मिसाइल, रडार, मोबाइल फोन, कंप्यूटर, हार्डडिस्क और अनेक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इन तत्वों का उपयोग होता है। यही कारण है कि इन्हें आज 'भविष्य की धातुएं' भी कहा जाता है। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसके पास संसाधन होने के बावजूद रेयर अर्थ के उत्पादन और प्रसंस्करण की क्षमता अभी पर्याप्त विकसित नहीं हुई है। भारत के पास दुनिया के रेयर अर्थ खनिज भंडार का लगभग 6 प्रतिशत है, लेकिन वैश्विक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी केवल लगभग 1 प्रतिशत है। अपनी जरूरत पूरी करने के लिए भारत को बड़ी मात्रा में इन खनिजों का आयात करना पड़ता है और लंबे समय से चीन पर उसकी निर्भरता काफी अधिक रही है। वर्ष 2018-19 में भारत ने अपने रेयर अर्थ आयात का लगभग 92 प्रतिशत मूल्य के आधार पर और 97 प्रतिशत मात्रा के आधार पर चीन से प्राप्त किया था। यह स्थिति बताती है कि भारत के पास संसाधन होने के बावजूद उनके खनन, प्रसंस्करण और उपयोग की क्षमता को तेजी से बढ़ाने की जरूरत है । यह निर्भरता केवल आर्थिक मामला नहीं है। रेयर अर्थ तत्व आधुनिक रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और हरित ऊर्जा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए इनकी आपूर्ति बाधित होने पर देश की रणनीतिक और औद्योगिक क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। चीन का वैश्विक रेयर अर्थ खनन और विशेष रूप से प्रसंस्करण पर मजबूत प्रभाव भारत सहित पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। इसी कारण भारत सहित अनेक देश अपने वैकल्पिक स्त्रोत विकसित करने और इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत ने इस चुनौती को समझते हुए ( ) में संशोधन कर की नई व्यवस्था लागू की है और की खोज को प्राथमिकता दी है। इसी व्यवस्था के तहत राजस्थान ने रेयर अर्थ तत्वों के लिए का औपचारिक निष्पादन कर देश में अठाणी भूमिका निभाई है। यह लाइसेंस लगभग 207.6 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए जारी किया गया है। इसमें बालोतरा जिले की पचपदरा तहसील के कनावतला-देवीगढ़ तथा जोधपुर जिले की शेरगढ़ तहसील का क्षेत्र शामिल है। प्रारंभिक भूवैज्ञानिक अध्ययनों में यहां लैंथेनम, सेरियम, प्रसीओडिमियम और नियोडिमियम जैसे महत्वपूर्ण रेयर अर्थ तत्वों की संभावनाएं सामने आई हैं। इस क्षेत्र का वैज्ञानिक अन्वेषण ( ) द्वारा किया जाएगा। आधुनिक ड्रिलिंग, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण, रासायनिक परीक्षण और त्रि-आयामी भू-मॉडलिंग के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि यहां उपलब्ध खनिज भंडार कितनी मात्रा में हैं और उनका आर्थिक उपयोग कितना संभव है।यदि राजस्थान में रेयर अर्थ तत्वों का वैज्ञानिक अन्वेषण सफल रहता है, तो पश्चिमी राजस्थान के आर्थिक विकास का नया अध्याय शुरू हो सकता है। जिस प्रकार बाड़मेर के तेल भंडारों ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था और पहचान को बदला, उसी प्रकार रेयर अर्थ तत्व राज्य को उच्च-प्रौद्योगिकी उद्योगों का महत्वपूर्ण केंद्र बना सकते हैं। इससे केवल खनन के अवसर ही पैदा नहीं होंगे, बल्कि खनिज प्रसंस्करण, धातु निष्कर्षण, स्थायी चुंबक निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उच्च तकनीकी उद्योगों में भी निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। लेकिन असली सफलता केवल जमीन से खनिज निकालने में नहीं होगी। यदि राजस्थान केवल कच्चा अयस्क बाहर भेजता रहा, तो इस खनिज संपदा का बड़ा आर्थिक लाभ दूसरे राज्यों या देशों को मिल सकता है। इसलिए राजस्थान को अभी से पूरी औद्योगिक श्रृंखला विकसित करने की योजना बनानी चाहिए। यहां रेयर अर्थ पृथक्करण संयंत्र, धातु प्रसंस्करण इकाइयां, निर्माण केंद्र, अनुसंधान प्रयोगशालाएं और उच्च तकनीकी विनिर्माण उद्योग स्थापित किए जाने चाहिए। इससे राजस्थान केवल खनिज उत्पादक नहीं, बल्कि रेयर अर्थ आधारित उद्योगों का केंद्र बन सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में राजस्थान के विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। भू-विज्ञान, धातुकर्म, पर्यावरण विज्ञान, मृदा विज्ञान और जल प्रबंधन के विशेषज्ञ मिलकर ऐसी तकनीक विकसित कर सकते हैं, जिससे औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालयों में रेयर अर्थ तत्वों से जुड़े अनुसंधान, प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए आवश्यक नई तकनीकी दक्षता प्राप्त होगी। रेयर अर्थ अयस्कों का प्रसंस्करण तकनीकी रूप से जटिल और महंगा है। इसके साथ पर्यावरण सुरक्षा, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी चुनौतियां भी जुड़ी हैं। पश्चिमी राजस्थान पहले से ही जल की कमी वाला क्षेत्र है। इसलिए यहां विकास का ऐसा मॉडल अपनाना होगा, जिसमें खनिज संसाधनों का उपयोग हो, लेकिन जल और पर्यावरण पर अनावश्यक दबाव न पड़े। स्थानीय लोगों की भागीदारी और उनके हितों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। राजस्थान की रेयर अर्थ नीति तभी सफल मानी जाएगी, जब इसका लाभ स्थानीय क्षेत्र, राज्य और पूरे देश को मिले। राजस्थान के सामने आज एक दुर्लभ अवसर है। यह केवल एक नए खनिज की खोज का अवसर नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता में नेतृत्व करने का अवसर है। यदि अन्वेषण सफल होता है और राज्य दूरदर्शी औद्योगिक नीति अपनाकर खनिज प्रसंस्करण, विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देता है, तो राजस्थान की आर्थिक तस्वीर बदल सकती है। बाड़मेर के तेल ने राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दी थी। अब बालोतरा-जोधपुर क्षेत्र में रेयर अर्थ तत्वों की यह संभावना राजस्थान को भविष्य की तकनीकी अर्थव्यवस्था में नई पहचान दिला सकती है । जरूरत केवल खनिज निकालने की नहीं, बल्किखनिज से तकनीक और तकनीक से उद्योगबनाने की है। यदि राजस्थान यह कर सका, तो पश्चिमी राजस्थान की रेत से केवल दुर्लभ धातुएं ही नहीं निकलेंगी, बल्कि रोजगार, निवेश, हरित ऊर्जा, उच्च तकनीक और आत्मनिर्भर भारत की नई संभावनाएं भी जन्म लेंगी।

प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल शनिवार 15 अगस्त, 2026

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, तृतिया तिथि,शनिवार, विक्रम संवत 2083, आश्लेषा नक्षत्र प्रातः 6:07 तक, वारियान योग दिन 12:16 तक, किस्तुघ्न करण प्रातः 9:54 तक, चन्द्रमा प्रातः 6:07 से सिंह राशि में संचार करेगा।

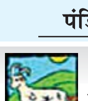

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आज आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

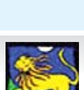

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

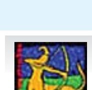

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कन्या
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक परेशानी दूर होने लगेगी।

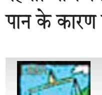

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित योजना का क्रियान्वयन होगा। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आज मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। मन:स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आज व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

असली आज़ादी : जब देश गंदगी और बीमारियों से भी मुक्त होगा

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अस्वच्छता उन्मूलन का बिगुल बजा

के के गुप्ता

हर वर्ष 15 अगस्त 1947 को जब देश का तिरंगा पूरे गौरव के साथ आकाश में लहराता है और राष्ट्रगान की धुन करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम का संचार करती है, तब हमारा मन स्वाभाविक रूप से 1947 की उस ऐतिहासिक सुबह की ओर लौट जाता है, जब भारत ने सदियों की पराधीनता की बेड़ियां तोड़कर स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह स्वतंत्रता हमारे असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान का परिणाम थी।

लेकिन स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति तक सीमित नहीं है। आज, जब भारत अपने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब हमारे सामने आज़ादी का एक नया अर्थ और एक नई चुनौती भी मुँह बाए खड़ी है । वह है गंदगी से आज़ादी, बीमारियों से आज़ादी, प्रदूषण से आज़ादी, जल संकट से आज़ादी और नागरिक लापरवाही से आज़ादी। 1947 में हमने पराधीनता की बेड़ियां अवश्य तोड़ी थीं लेकिन अब समय है कि हम गंदगी, बीमारी और अस्वच्छ जीवनशैली की बेड़ियों को भी तोड़ें। यही विकसित भारत के संकल्प का अगला चरण है और यही स्वतंत्रता दिवस का सच्चा संदेश भी होना चाहिए।

हम अक्सर विकास का मूल्यांकन बड़ी सड़कों, ऊंची इमारतों, औद्योगिक निवेश और आधुनिक तकनीक से करते हैं। निस्संदेह ये विकास के महत्वपूर्ण मानक हैं, लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का सबसे बड़ा पैमाना उसके नागरिकों का स्वास्थ्य और उनके आसपास का स्वच्छ वातावरण है।यदि किसी गरीब परिवार की वर्षों की बचत बीमारी के इलाज में चली जाए, यदि दूषित पानी या गंदगी के कारण बच्चे बीमार पड़ें, यदि अस्वच्छ वातावरण के कारण कामकाजी लोगों की उत्पादकता प्रभावित हो, तो विकास की तस्वीर अधूरी रह जाती है।

बीमारी पर खर्च होने वाला पैसा केवल परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित नहीं करता, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी बोझ डालता है। इसके विपरीत, स्वच्छता पर किया गया प्रत्येक निवेश भविष्य के स्वास्थ्य खर्च को कम करने की दिशा में एक बड़ा महत्त्वपूर्ण निवेश है। बचा हुआ धन शिक्षा, कौशल, रोजगार, पोषण और बेहतर जीवन स्तर पर लगाया जा सकता है।इसलिए स्वच्छता केवल सफाई का विषय नहीं है बल्कि यह स्वच्छता ,स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण का विषय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ स्वच्छ भारत मिशन देश में स्वच्छता को सरकारी कार्यक्रम की सीमा से बाहर निकालकर जन-आंदोलन बनाने की ऐतिहासिक पहल है। इस अभियान ने देश के करोड़ों नागरिकों को यह अहसास कराया है कि स्वच्छता केवल नगर निकायों या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इसी भावना को और व्यापक स्वरूप देने का प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि स्वच्छ शहर, स्वस्थ नागरिक और हरा-भरा राजस्थान ही विकसित राजस्थान की मजबूत नींव हैं।

स्वच्छता का लक्ष्य केवल कागजों पर उपलब्ध आंकड़ों में नहीं, बल्कि शहरों और गांवों की गलियों में दिखाई देना चाहिए। कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन हो, घर-घर से कचरा संठाहण प्रभावी हो, गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण हो, सार्वजनिक स्थान स्वच्छ रहें, नालियां साफ रहें, जल स्त्रोत सुरक्षित रहें और नागरिक स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं-यही वास्तविक सफलता है।

दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर में नगर परिषद सभापति के रूप में काम करने का अवसर मेरे लिए केवल एक प्रशासनिक अनुभव नहीं, बल्कि स्वच्छता और नागरिक भागीदारी की शक्ति को समझने का महत्वपूर्ण अवसर भी रहा।डूंगरपुर जैसे शहर ने यह साबित किया कि बदलाव केवल बड़े महानगरों में ही संभव नहीं है। यदि राजनीतिक नेतृत्व की इच्छाशक्ति, प्रशासन की सक्रियता और नागरिकों की भागीदारी एक साथ जुड़ जाए तो छोटा शहर भी देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है।स्वच्छता और जल संरक्षण के क्षेत्र में डूंगरपुर के अनुभव ने मुझे यह विश्वास दिया कि भारत के प्रत्येक शहर में परिवर्तन की अपार संभावनाएं हैं। आवश्यकता केवल मात्र बड़ी बड़ी योजनाएं बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारने वाली प्रशासनिक और नागरिक प्रतिबद्धता की है।यही कारण है कि स्वच्छ भारत मिशन से मेरा जुड़ाव मेरे लिए किसी पद या दायित्व से अधिक एक सामाजिक जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन के प्रति मेरी सक्रिय भूमिका को देखते हुए मुझे राजस्थान में तीसरी बार स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) का ब्रांड एम्बेसडर बनने का अवसर मिला है। यह सम्मान जितना गर्व का विषय है, उससे कहीं अधिक बड़ी जिम्मेदारी भी है।पिछले कई महीनों से मैं मुख्यमन्त्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान के सभी 41 जिलों का दौरा और समस्त स्थानीय निकायों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठकें कर स्वच्छता अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहा हूं। जहां कमियां दिखाई देती हैं, वहां उन्हें दूर करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को पाबन्द किया जा रहा है । यह यात्रा केवल अधिकारियों के साथ बैठकों तक सीमित नहीं है। मेरा प्रयास है कि जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनाया जाए।

अब दूसरे चरण की बैठकों का क्रम भी शुरू हो चुका है। मेरा उद्देश्य स्पष्ट है-स्वच्छता के लक्ष्य फाइलों और रिपोर्टों में नहीं, बल्कि राजस्थान की हर गली और हर मोहल्ले में दिखाई दें।

हम सरकार से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वह हमारे घर के बाहर सफाई करने के साथ-साथ हमारी आदतें भी बदल दे। नगर निकाय कचरा उठा सकता है, लेकिन नागरिक कचरा सड़क पर न फेंके-यह निर्णय नागरिक को स्वयं लेना होगा।सरकार नालियां बना सकती है, लेकिन उनमें प्लास्टिक और कचरा न डालने का संकल्प समाज को लेना होगा।

सरकार जल संरक्षण की योजनाएं बना सकती है, लेकिन पानी की एक-एक बूंद बचाने की आदत परिवारों को विकसित करनी होगी।यही कारण है कि स्वच्छता का सबसे बड़ा सैनानी कोई सरकारी कर्मचारी नहीं, बल्कि स्वयं जागरूक नागरिक ही है। यदि प्रत्येक भारतीय केवल इतना संकल्प ले ले कि न गंदगी करूंगा, न करने दूंगा, तो स्वच्छ भारत अभियान एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर भारत की जीवनशैली बन जाएगा। स्वच्छता और जल संरक्षण-दोनों एक ही लड़ाई के हिस्से

स्वच्छता को केवल कचरा उठाने तक सीमित करना भी सही नहीं होगा। स्वच्छता का संबंध हमारे जल स्त्रोतों, पर्यावरण और भविष्य की पीढ़ियों को सँवारने से भी है।दूषित जल बीमारी का कारण बनता है। जल स्त्रोतों में कचरा डालना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। प्लास्टिक प्रदूषण आने वाली पीढ़ियों के लिए संकट पैदा करता है। इसलिए स्वच्छता का अर्थ है-कचरे का उचित प्रबंधन, जल स्त्रोतों की रक्षा, पानी की बचत, वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिक व्यवहार।जब हम अपने शहर को साफ रखते हैं, तो हम केवल वर्तमान को नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी सुरक्षित करते हैं। स्वतंत्र भारत का सपना केवल इतना नहीं था कि देश अपना शासन स्वयं चलाए। सपना यह भी था कि प्रत्येक भारतीय सम्मान के साथ जीवन जी सके।सम्मानजनक जीवन का अर्थ है-स्वच्छ घर, स्वच्छ सड़क, स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, सुरक्षित पेयजल, स्वस्थ पर्यावरण और बीमारी से बचाव की बेहतर व्यवस्था। इस दृष्टि से देखा जाए तो स्वच्छता सामाजिक न्याय और मानवाधिकार का भी विषय है। गंदगी का सबसे अधिक असर समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। इसलिए स्वच्छ भारत वास्तव में एक अधिक समान और सम्मानजनक भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

15 अगस्त केवल उत्सव का दिन नहीं है। यह आत्ममंथन और संकल्प का भी दिन है।

इस वर्ष जब हम तिरंगे को सलाम करें, तो उसके साथ अपने शहर, अपने गांव और अपने मोहल्ले को भी स्वच्छ रखने का संकल्प भी लें। हम संकल्प लें-कि हम कचरा इधर-उधर नहीं फेंकेंगे।गीले और सूखे कचरे को अलग करेंगे।पानी की एक-एक बूंद का सम्मान करेंगे।सार्वजनिक स्थानों को अपना समझकर उनकी स्वच्छता बनाए रखेंगे।

प्लास्टिक के अनावश्यक उपयोग से बचेंगे। पेड़ लगाएंगे और पर्यावरण की रक्षा करेंगे। और सबसे महत्वपूर्ण-गंदगी करने वाले को रोकने का साहस भी दिखाएंगे। डूंगरपुर में हमने घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के सामने कचरा डालने वालों पर जुर्माना लगाया था जिससे बहुत बड़ा परिवर्तन आया ।

हमने नगर की प्राचीन बावड़ियों की सफाई और जीर्णोद्धार कर नगर में पेयजल आपूर्ति के नए स्त्रोत विकसित किए थे । वर्षा जल के बचाव के लिए घरों में टंकिया बनवा और आसपास की ज़मीन में खड्डे खुदवा उसे छतों के पाइपों से जोड़ा था। उसके अभूतपूर्व परिणाम दिखें थे और वर्षों से सूखे हैण्ड पम्प भी चार्ज हो गए थे। पर्यावरण सुधार के लिए पोधारोपण, संग्रहित कचरा से बायोगैस प्लांट में बिजली उत्पादन,गोबर गैस प्लांट आदि अनेक प्रयोग और नवाचार किये गए थे । राष्ट्रभक्ति केवल सीमा पर खड़े सैनिक का कर्तव्य नहीं है। राष्ट्रभक्ति उस नागरिक के व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए जो अपने शहर को साफ रखता है, पानी बचाता है, पेड़ लगाता है और सार्वजनिक संपत्ति को अपनी संपत्ति समझकर उसकी रक्षा करता है।

भारत ने 1947 में राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी। आज हम आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से विश्व की अठाणी शक्तियों में शामिल होने की दिशा में बढ़ रहे हैं। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल आर्थिक आंकड़ों से पूरा नहीं होगा।इसके लिए स्वस्थ नागरिक चाहिए।स्वच्छ शहर चाहिए।सुरक्षित पर्यावरण चाहिए।जागरूक समाज चाहिए और ऐसी नागरिक संस्कृति चाहिए जिसमें स्वच्छता किसी अभियान की मोहताज न हो।

राजस्थान इस दिशा में देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में स्वच्छ, स्वस्थ और हरियालों राजस्थान का जो संकल्प आगे बढ़ रहा है, उसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब सरकार के प्रयासों के साथ समाज की इच्छाशक्ति भी जुड़े।मैं राजस्थान के सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और विशेकर युवाओं से इस स्वतंत्रता दिवस पर आ ान करता हूं कि वे स्वच्छता को केवल एक सरकारी कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे अपने जीवन का संस्कार बनाएं।

आइए, इस 15 अगस्त को तिरंगे के सामने एक ऐसा संकल्प लें जो आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर भारत दे।1947 में हमने पराधीनता की बेड़ियां तोड़ी थीं।अब हमें गंदगी, बीमारी और लापरवाही की बेड़ियां तोड़नी हैं।

यही अमृतकाल का सच्चा संकल्प है। यही विकसित भारत की मजबूत नींव है। और यही स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।क्योंकि असली आज़ादी तभी होगी, जब भारत स्वच्छ होगा।

भारत स्वस्थ होगा और हर नागरिक जागरूक होगा।हम स्वाधीनता दिवस पर यह संकल्प लें कि हम न गंदगी करेंगे, न करने देंगे। स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत ही सशक्त भारत है।

- के.के. गुप्ता-
ब्रांड एम्बेसडर, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), राजस्थान

1947 का सबसे बड़ा प्रश्न : भारत के संवैधानिक विकल्प कब समाप्त हुए?

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर 1946-47 के दस्तावेजों, निर्णयों और मानवीय अनुभवों की पुनर्पड़ताल

डॉ. मुकेश शर्मा

17 अगस्त 1947। भारत स्वतंत्र हो चुका था। पाकिस्तान भी अस्तित्व में आ चुका था, लेकिन पंजाब और बंगाल की अंतिम सीमाएं इसी दिन सार्वजनिक हुईं। स्वतंत्रता के दो दिन बाद रैडक्लिफ़ सीमा आयोग का निर्णय सामने आया, यानी अनेक लोगों ने स्वतंत्रता का सूर्योदय इस अनिश्चितता के बीच देखा कि उनका गांव, शहर या घर आखिर किस देश का हिस्सा होगा। यह केवल प्रशासनिक तथ्य नहीं था, यह उस असाधारण गति और अनिश्चितता का भी संकेत था, जिसके बीच विभाजन और सत्ता हस्तांतरण को कार्यान्वित किया जा रहा था। यहीं से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का सबसे कठिन प्रश्न जन्म लेता है। क्या भारत का विभाजन वास्तव में एकमात्र विकल्प था या उससे पहले ऐसे संवैधानिक अवसर मौजूद थे जो धीरे-धीरे राजनीतिक समर्थन और विश्वास खोते गए?

इस प्रश्न का पहला महत्वपूर्ण उत्तर 16 मई 1946 की कैबिनेट मिशन योजना में मिलता है। स्वतंत्रता से लगभग पंद्रह महीने पहले प्रस्तुत इस योजना ने तत्काल विभाजन को अंतिम समाधान नहीं माना। उसने एक ढीले संघीय ढांचे में संयुक्त भारत की परिकल्पना की, जिसमें रक्षा, विदेश नीति और संचार केंद्र के विषय होते और शेष अधिकांश अधिकार प्रांतों के पास रहते। यह व्यवस्था सफल होती या नहीं, यह अलग प्रश्न है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि मई 1946 तक संयुक्त भारत केवल भावनात्मक आकांक्षा नहीं, बल्कि एक औपचारिक संवैधानिक विकल्प था।

यहीं इतिहास किसी एक व्यक्ति या दल को दोषी ठहराने के बजाय निर्णयों की पूरी शृंखला की जांच मांगता है। कांठोस और मुस्लिम लीग, दोनों किसी चरण पर कैबिनेट मिशन की रूपरेखा से जुड़ीं, लेकिन उसकी व्याख्या समान नहीं थी। प्रांतीय समूहों की व्यवस्था, केंद्र की शक्तियों, प्रतिनिधित्व और अंतरिम सरकार को लेकर अविश्वास बढ़ता गया। 29 जुलाई 1946 को मुस्लिम लीग ने कैबिनेट मिशन प्रस्तावों की अपनी स्वीकृति वापस लेते हुए पाकिस्तान प्राप्त करने के लिए ' ' का निर्णय लिया। इसके बाद कलकत्ता, नोआखली, बिहार और फिर पंजाब की हिंसा ने राजनीतिक मतभेदों को सामाजिक भय और असुरक्षा में बदल दिया। प्रश्न अब केवल संविधान का नहीं था, नागरिकों की सुरक्षा और प्रशासन की क्षमता का भी था।

विभाजन के इतिहास की यही वह मानवीय परत है, जो राजनीतिक और संवैधानिक आख्यानों में अक्सर पीछे छूट जाती है। सरकारी अभिलेख बताते हैं कि निर्णय कैसे और किन परिस्थितियों में लिए गए? प्रत्यक्षदर्शियों की स्मृतियां बताती हैं कि उन निर्णयों की वास्तविक कीमत किसने और कैसे चुकाई? निस्संदेह स्मृति दस्तावेज का विकल्प नहीं है और मौखिक साक्ष्यों की आलोचनात्मक जांच आवश्यक है, लेकिन उन्हें इतिहास से बाहर रखना भी उसके मानवीय पक्ष को अधूरा छोड़ देना होगा। गलियों, गांवों, घरों और विस्थापन के रास्तों पर जो घटा, वह विभाजन का वह इतिहास है, जिसे सरकारी फाइलें पूरी तरह दर्ज नहीं कर सकतीं।

इस कहानी में एक और तथ्य विशेष ध्यान मांगता है। 16 मई 1947 तक कांठोस के दस्तावेजों में कैबिनेट मिशन की रूपरेखा संदर्भ-बिंदु बनी हुई थी। कांठोस की ओर से तैयार एक नोट में कहा गया कि वह इस योजना को अब भी आधार मानती है और मुस्लिम लीग के साथ समझौते के लिए उसमें परिवर्तन स्वीकार करने को भी तैयार है। इसका अर्थ यह नहीं कि उस समय संयुक्त भारत आसानी से बचाया जा सकता था, बल्कि यह बताता है कि संवैधानिक विकल्पों का अंत किसी एक दिन अचानक नहीं हुआ। वे राजनीतिक परिस्थितियों के दबाव में क्रमशः संकुचित होते गए।

और फिर आता है समय का प्रश्न।

20 फरवरी 1947 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली ने घोषणा की थी कि सत्ता हस्तांतरण जून 1948 से आगे नहीं जाएगा, किंतु 3 जून 1947 तक तस्वीर बदल चुकी थी। नई योजना सामने आई और कुछ ही सप्ताह बाद 15 अगस्त को भारत और पाकिस्तान स्वतंत्र हो गए। इस बीच प्रशासन, सेना, वित्त, संपत्ति, सेवाओं, अभिलेखों और सीमाओं के विभाजन जैसी असाधारण जिम्मेदारियां भी पूरी करनी थीं।

इसलिए एक कठिन प्रश्न स्वाभाविक है, यदि फरवरी में जून 1948 तक का समय निर्धारित था तो सत्ता हस्तांतरण अगस्त 1947 तक क्यों सिमट गया? 3 जून के आधिकारिक ब्रिटिश वक्तव्य और माउंटबेटन के प्रसारण से स्पष्ट है कि सत्ता शीघ्र हस्तांतरित करने की इच्छा राजनीतिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी थी। इसलिए प्रश्न केवल ब्रिटिश जल्दबाजी का नहीं है, यह भी देखना होगा कि भारतीय नेतृत्व के लिए शीघ्र सत्ता हस्तांतरण क्यों इतना महत्वपूर्ण हो गया था? क्या इस समय-संकुचन ने वैकल्पिक समझौते, सीमांकन, नागरिक सुरक्षा और पुनर्वास की तैयारी के लिए उपलब्ध अवसर कम कर दिए? यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि समय-संकुचन ही हिंसा का कारण था, किंतु इसकी भूमिका की गंभीर जांच से बचा भी नहीं जा सकता।

कांठोस नेतृत्व के निर्णयों की पड़ताल भी इसी कसौटी पर होनी चाहिए। 1947 के मध्य तक क्या शीघ्र सत्ता हस्तांतरण, प्रभावी केंद्रीय शासन और बढ़ती हिंसा को रोकने की आवश्यकता संयुक्त भारत की संवैधानिक संभावनाओं पर भारी पड़ चुकी थी? दूसरी ओर, मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की मांग और ' ' की राजनीति तथा ब्रिटिश सरकार की सत्ता-हस्तांतरण नीति, इन तीनों को एक साथ देखे बिना विभाजन की जिम्मेदारी को समझना संभव नहीं है।

इसलिए विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का सबसे बड़ा प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि 1947 में कौन दोषी था? उससे कहीं बड़ा प्रश्न यह है कि 2047 का भारत ऐसा क्या करे कि मतभेद मनभेद में, मनभेद अविश्वास में और अविश्वास उस स्थिति में न बदले, जहां संवाद और संवैधानिक समाधान की गुंजाइश ही समाप्त होने लगे। इतिहास का सर्वोच्च सम्मान केवल उसकी त्रासदियों को स्मारकों में सुरक्षित रखना नहीं है। उसकी सबसे कठिन सीख को राष्ट्रीय चरित्र, सार्वजनिक नीति और लोकतांत्रिक आचरण का स्थायी हिस्सा बना देना है।

स्वामी जीतेन्द्रानंद सरस्वती

हम जमीनी स्तर की किशोरी युवाओं का एक समूह हैं जो विभिन्न संचार माध्यमों (आलेख और कविताएं) से अपने गांवों के जेंडर और अन्य सामाजिक मुद्दों को उजागर करना चाहते हैं। ऐसे सामाजिक मुद्दे जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

महासचिव, अखिल भारतीय संत समिति
डॉ. मुकेश शर्मा, लेखक एवं स्तम्भकार

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Command Does Not End...

In the Army, we often speak of sacrifice in terms of gallantry under fire. Yet, some sacrifices never appear in citations. An elderly mother, living alone in a remote Himalayan village, giving away her only chicken and the last green chilli

The Indian Judge Honored in Japan

‘चीन ने अरूणाचल में नया अतिक्रमण किया’

राहुल और खड़गे के इस आरोप ने देश में सनसनी फैलाई 15 अगस्त के अवसर पर

भारत सरकार ने इस खबर को मनगढ़ंत और मिथ्या बताया

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- कांग्रेस ने आरोप लगाया कि चीन ने अरूणाचल प्रदेश में भारतीय सेना को पैट्रोलिंग से प्रतिबंधित कर दिया है।
- राहुल गांधी ने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में कहा, सरकार इन खबरों को दबा रही है।
- हालांकि, सरकार और सुरक्षा प्रतिष्ठानों ने नई घुसपैठ के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया।

नई दिल्ली, 14 अगस्त। पिछले दो दिनों में कांग्रेस नेताओं – राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारतीय सेना की पैट्रोलिंग पर चीन द्वारा कथित रोक लगाए जाने की खबरों को लेकर सरकार के खिलाफ हमला तेज कर दिया है। दोनों नेताओं ने इस मुद्दे को 2020 के गलवान संघर्ष से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चीन ने राज्य में वास्तविक नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ ऐक्चुअल कन्ट्रोल एलएसी) के कई स्थानों पर भारतीय सेना की निगरानी गश्त रोक दी है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, चीन ने अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर हमारी सेना की गश्त रोक दी है–यह बेहद चिंताजनक है।

राहुल गांधी ने आगे दावा किया कि प्रधानमंत्री कार्यालय से उन्हें सरकार के भीतर कथित विद्रोह की जानकारी मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीजिंग का सामना करने के बजाय मीडिया संस्थानों पर इन खबरों को दबाने के लिए दबाव बना रहे हैं।

गांधी ने गलवान संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री की उस टिप्पणी को भी याद किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की कोई जमीन नहीं गई है। राहुल ने आरोप लगाया कि सुरक्षा की तुलना में छवि को प्राथमिकता देने का वही रवैया अब भी जारी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को इस मुद्दे पर सवालों की विस्तृत सूची जारी की।

उन्होंने पूछा, गलवान के बाद, अब अरुणाचल प्रदेश? खड़गे ने राज्य में चीन द्वारा आगे बढ़ने की कोशिश की खबरों को चिंताजनक बताते हुए पूछा कि क्या पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने अपर सुबनसिरी जिले के तवांग/ताक्सिंग क्षेत्र के निकट अपनी मौजूदगी बढ़ाई है और क्या भारत ने निर्धारित गश्ती पॉइन्ट “शेरा-5” तक नियमित रूप से नहीं पहुंच पा रही है।

खड़गे ने यह भी पूछा कि सर्दियों के दौरान भारतीय पैट्रोलिंग कथित रूप से सीमित क्यों हो जाती है, जबकि चीनी सैनिक पूरे वर्ष वहां मौजूद रहते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि स्थानीय समुदायों के पारंपरिक चराई और शिकार के क्षेत्र भी उनकी पहुंच से बाहर क्यों होते जा रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और गृह मंत्री से देश को जवाब देने की मांग की। साथ ही, उन्होंने सवाल किया कि क्या मई 2020 से पहले वाली स्थिति पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह बहाल कर दी गई है।

कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग के अध्यक्ष सलमान खुर्शीद ने ऐतिहासिक रूप से भारतीय गश्त वाले स्थानों तक पहुंच पर कथित रूप से रोक लगाने पर गहरी चिंता जताई और प्रधानमंत्री से इस मुद्दे को सीधे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के समक्ष उठाने का आग्रह किया। ताक्सिंग क्षेत्र में स्थानीय लोगों की चिंताओं को इससे

(शेष पृष्ठ 4 पर)

अवकाश की सूचना

राष्ट्रदूत कार्यालय में 15 अगस्त 2026 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा। - व्यवस्थापक

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं

- उन्होंने स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को याद किया।

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का यह पर्व हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों, वीर शहीदों और देशभक्त विभूतियों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

ब्रिक्स समिट के लिए भारत आएंगे ईरान के राष्ट्रपति

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- सितंबर में भारत में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। यात्रा के दौरान भारत और ईरान के बीच परस्पर हितों पर वार्ता भी होगी।

नई दिल्ली, 14 अगस्त। ईरानी सूत्रों के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन सितंबर में नई दिल्ली की यात्रा करेंगे और 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर- 172/298 प्रताप नगर, सांगानेर का ओरिजनल अलाटमेंट लेटर+पजेशन लेटर और मूल वसीयतनामा कही खो गया मिलने पर सूचित करें। पारुल- 9769966162

नाम परिवर्तन

मैं, मंजू पत्नी 15418415X हवलदार हनी एच निवासी रेवती भवन, थज़हक्कारा, तहसील, मवेलिककारा जिला अलप्पुझा, राज्य केरल ने जिला न्यायालय जयपुर के समक्ष दिनांक 13.08.2026 को शपथपत्र के माध्यम से अपना नाम मंजू से मंजू मोल के पी में बदल लिया है।

मैंने अपना नाम दीपा रामनानी से बदलकर श्रीमती नन्दनी देवानी पत्नी अशोक देवानी रख लिया। मुझे इसी नाम जाना जावे। 52/109वीटी रोड मानसरोवर जयपुर

मैं ARMY NO. 15425920H, Rank HAV, नवदीप चौधरी पुत्र श्री किशन सिंह चौधरी, निवासी-रिक्शा, पोस्ट ऑफिस घाटवा, तहसील नावां, जिला नागौर, राजस्थान-341509. सूचित करता हूं कि मेरे आर्मी अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम मंजू त्रुटिवश गलत दर्ज हो गया है सही नाम मन्जू सेसमा है

में ताराश्री गुप्ता कक्षा 12 की विद्यार्थी हु मेरी 10th 12th सीबीएसई की मार्कशीट में मेरे पिता का नाम उत्कर्ष गुप्ता है जो कि गलत है उनका पूरा नाम उत्कर्ष कुमार गुप्ता है कृपया इस नाम से जाना जाए पता फ्लैट नंबर 302 निरवाना हाइपस स्कीम कनकपुरा गांधी पथ वेस्ट वैशाली नगर जयपुर

I have changed my name from Anjna Mehta to Anjana Mehta for all purpose. R/o Flat no-102 plot no-413 scheme no-2 Lajpat Nagar Alwar.(Raj.)

I have changed my name from Pradeep Kumar Gupta to Pradeep Gupta for all purpose. R/o Flat no-B-404 SDC Gateway Ghiya marg banipark jaipur.(Raj.)

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयपुर में आज निकलेगी तीज की सवारी

जयपुर(निसं)। गुलाबी नगरी में लोक आस्था, राजसी परंपरा और राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का पर्व तीज इस बार 15 और 16 अगस्त को खास रंग में नजर आएगा। 15 अगस्त को सिंजारा मनाया जाएगा।

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक: 2440 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 23.07.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लेट संख्या 266/13 (MIG-B) का आवंटन श्री वासुदेव पुत्र श्री महादेव दास को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 6734 दिनांक 13.10.2010 को जारी किया गया था। श्री वासुदेव पुत्र श्री महादेव दास द्वारा श्रीमती कविता गुप्ता पत्नी श्री सुधीर गुप्ता को दिनांक 16.03.2010 को मुख्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती कविता गुप्ता पत्नी श्री सुधीर गुप्ता द्वारा श्री वासुदेव पुत्र श्री महादेव दास के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 01.08.2011 को निष्पादित करवाये गये। श्रीमती कविता गुप्ता पत्नी श्री सुधीर गुप्ता मुख्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय कर विक्रय पत्र दिनांक 24.10.2011 को श्री रासबिहारी गुप्ता पुत्र श्री सुरजभान गुप्ता के पक्ष मे पंजीकृत करवाया गया गया। श्री रासबिहारी गुप्ता पुत्र श्री सुरजभान गुप्ता द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री रासबिहारी गुप्ता पुत्र श्री सुरजभान गुप्ता का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

संपदा प्रबंधक, वृत प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक :- 3198 दिनांक :- 14/08/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना मे आवास संख्या 191/143 (EWS), (एरिया 45.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती विजयकान्ता पत्नी श्री कैलाश चन्द शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3904 दिनांक 30.12.2003 को जारि किया गया। श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री अशोक कुमार स्वर्णकार के पक्ष मे उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 6677 दिनांक 30.12.2003 के द्वारा किया गया। श्रीमती शान्ति देवी के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 25.06.2008 को उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती शान्ति देवी द्वारा श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल पुत्र श्री रमेश चन्द अग्रवाल को दिनांक 15.05.2014 को मुख्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल द्वारा मुख्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 31.07.2026 के द्वारा श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री अमित कुमार गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री अमित कुमार गुप्ता द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास मे अपना नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री अमित कुमार गुप्ता का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया

जयपुर(निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी शुक्रवार को जयपुर स्थित अग्रवाल कॉलेज सभागार में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच , जयपुर चैप्टर की ओर से आयोजित 'विशाल भारत : आर्थिक, सामरिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य' विषयक व्याख्यान में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने उपस्थित युवाओं एवं गणमान्यजनों के साथ अपने विचार साझा किए।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सुदृढ़ अर्थव्यवस्था और मजबूत सामरिक क्षमता ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव हैं।

नई कोर्ट बिल्डिंग का प्लान पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय

जयपुर, (निसं)। सेशन कोर्ट परिसर में जगह की कमी से जुड़े मामले में राज्य सरकार ने योजना का प्लान पेश करने के लिए हाईकोर्ट से दो सप्ताह का समय लिया है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखी है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस चन्द्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता दीनदयाल खंडेलवाल की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। जनहित याचिका में कहा गया कि कोर्ट परिसर में जगह कम पड़ने से यहां आने वाले पक्षकारों, वकीलों और न्यायिक अधिकारियों के साथ-साथ कोर्ट स्टाफ को परेशानी होती है।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे०एल०एन० मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853

क्रमांक :- 2896 **आम जाहिर सूचना** दिनांक :- 13/08/2026

राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा आवास/फ्लैट संख्या-11/932 मालवीय नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 36.70 वर्ग मीटर का आवंटन श्री हरभगवान शर्मा पुत्र श्री गेलाराम को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक-933 दिनांक 21/08/1985 को जारी किया गया। उनके द्वारा आवास/फ्लैट का भौतिक कब्जा दिनांक 10/10/1985 को प्राप्त कर लिया गया। श्री हरभगवान शर्मा की मृत्यु दिनांक 12/09/2010 को हो जाने के कारण श्री उमेश कुमार शर्मा पुत्र स्व०श्री हरभगवान शर्मा के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति, एवं रजिस्टर्ड हकत्याग की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास/फ्लैट का प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री उमेश कुमार शर्मा पुत्र स्व०श्री हरभगवान शर्मा के पक्ष में आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेंगी। सम्पदा प्रबंधक

वृत तृतीय, रा०आ०मण्डल, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा

ई-टेण्डर नोटिस सं.: **एस एण्ड टी प्रोजेक्ट-जेपी-2026-27-01** दिनांक **12/08/2026**। उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/जयपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से खुली निविदा सं. एस एण्ड टी-प्रोजेक्ट-जेपी 2026-27-01 जिसकी बंद होने की तिथि 16-09-2026 समय 15:00 बजे तक का ऑन लाईन ई-टेण्डर आंमत्रित किया जाता है। कोई भी मैनयुअल टेण्डर संबंध में स्वीकार नहीं किया जावेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है उसको देखा नहीं जावेगा। **1. कार्य का नाम एवं लोकेशन:** उत्तर पश्चिम रेलवे के उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/बीकानेर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न परियोजना स्थलों/अनुभागों पर परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं प्रदान करने के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति हेतु। **2. अनुमानित लागतः** रूपये **57371668.63/-**। **3. धरोहर राशि रूपये:** रूपये **1147400.00/-**। **4. टेण्डर जमा करने की अंतिम तारीखः** 16/09/2026 15:00 बजे तक। **5. वेब साईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन:** **www.ireps.gov.in** or उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/जयपुर ऑफिस। **1187-MG/26**

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करे

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, "विशिष्ठ श्रेणी" {अनाज}

मुख्यालय सूरजपोल मण्डी जयपुर

Phone No. : 0141-2640749 E-mail : kums.jaipurgr@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 1287 दिनांक :- 11.08.2026

नीलामी बोली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मण्डी समिति के मुख्य मण्डी प्रांगण सूरजपोल एंव गौण मण्डी यार्डो में निर्मित निम्नलिखित क्योस्कों को आगामी 01 वर्ष की अवधि के लिए जल-पान व्यवस्था करने हेतु ठेके पर देने हेतु दिनांक 20.08.2026 को दोपहर 03.00 बजे खुली नीलामी बोली आयोजित की जायेगी, जिसके लिए निलामी बोली प्रपत्र आज दिनांक से दिनांक 11.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे तक मण्डी समिति कार्यालय से प्राप्त कर दिनांक 20.08.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक जमा करा सकते हैं। खुली बोली दिनांक 20.08.2026 को दोपहर 03.00 बजे मण्डी समिति के मुख्य कार्यालय भवन में प्रारम्भ होगी।

क्र. स.	क्योस्क का विवरण	धरोहर राशि	आरक्षित बोली प्रतिवर्ष
1.	सूरजपोल कार्यालय परिसर स्थित क्योस्क बी-1	30000/- रू.	30000/-रू.
2.	सूरजपोल कार्यालय परिसर स्थित क्योस्क बी-2	30000/- रू.	30000/-रू.
3.	सूरजपोल कार्यालय परिसर स्थित क्योस्क बी-3	30000/- रू.	30000/-रू.
4.	सूरजपोल कार्यालय परिसर स्थित क्योस्क बी-4	30000/- रू.	30000/-रू.
5.	सूरजपोल नई मण्डी क्योस्क सं.-5	30000/- रू.	50000/-रू.
6.	सूरजपोल नई मण्डी क्योस्क सं.-6	30000/- रू.	50000/-रू.
7.	सांगानेर गौण मण्डी यार्ड क्योस्क नं. 01	30000/- रू.	50000/-रू.
8.	सांगानेर गौण मण्डी यार्ड क्योस्क नं. 02	30000/- रू.	50000/-रू.
9.	शाहपुरा गौण मण्डी यार्ड	30000/- रू.	30000/-रू.

नीलामी बोली की अन्य शर्तो आदि की जानकारी विभागीय वेबसाईट https://agriculture.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in तथा इस कार्यालय में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।

UBN No. **DAM2627SSOB00499**

राज.संवाद/सी/26/9990 सचिव

कार्यालय जिला स्वास्थ्य समिति, करौली

क्रमांक: लेखा/2026/114 दिनांक: 14.08.2026

खुली निविदा सूचना संख्या 2 वर्ष 2026-27

निम्नलिखित कार्यों हेतु इच्छुक फर्म/अधिकृत विक्रेताओं से निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जो कार्यालय समय में दिनांक 21.08.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। भरी हुई तकनीकी व वित्तीय निविदाऐं अलग-अलग सीलबंद लिफाफे में दिनांक 21.08.2026 को दोपहर बाद 02.00 बजे तक प्राप्त की जाकर दिनांक को दोपहर बाद सांय 03.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष गठित क्रय समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा से सम्बन्धित अन्य शर्तें व विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय/एसपीपीपी पोर्टल की जा सकती है।

क्र.सं.	नाम सामग्री/कार्य	अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क
1	कार्यालय स्टेशनरी एवं प्रशिक्षण सामग्री की आपूर्ति का कार्य।	500000	10000	200
2	कम्प्यूटर/विद्युत संबंधित उपकरणों की आपूर्ति /मरम्मत का कार्य।	500000	10000	200
3	फोटो स्टेट कराने का कार्य।	350000	7000	200

सदस्य सचिव
जिला स्वास्थ्य समिति करौली

प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं दी

जयपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। राठौड़ ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष की याद दिलाता है, जिन्होंने देश को आज़ादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। यह दिन प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और आत्मचिंतन का अवसर है। राठौड़ ने कहा कि आज का दिन हमें देश की एकता, अखंडता और समर्पण की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। हम सभी मिलकर देश को सशक्त, समृद्ध और स्वावलंबी बनाने का संकल्प लें। राठौड़ ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे देशभक्ति की भावना को अपने जीवन में उतारें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ 15 अगस्त को प्रात: 8:30 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में ध्वजारोहण करेंगे। वहीं बड़ी चौपड़ पर प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे।

खड़गे के अपमान के विरोध में जयपुर में कांग्रेस का विरोध मार्च

'पार्टी जातिवादी सोच और लोकतंत्र के कथित अपमान के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी'

जयपुर। हल्द्वानी की कथित दुर्भाग्यपूर्ण घटना और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्षमल्लिकार्जुन खड़गे के अपमान के विरोध में जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में शुक्रवार को विरोध मार्च निकाला गया। मार्च राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू होकर गांधी सर्किल तक पहुंचा। इसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भाग लिया।विरोध मार्च में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षगोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, शकुंतला रावत, सांसद भजनलाल जाटव, पूर्व अध्यक्ष आर.आर. तिवारी, पूर्व विधायकगंगा देवी, पूर्व प्रत्याशी डॉ. अर्चना शर्माऔर पुष्पेंद्र भारद्वाज सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे।इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

खड़गे के अपमान के विरोध में कांग्रेस ने विरोध मार्च निकाला। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष जूली, गोविंद सिंह डोटासरा व प्रताप सिंह खाचरियावास आदि कांग्रेसजन मौजूद रहे।

गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण स्थल का शुद्धिकरण किया जाना जातिवादी सोच को दर्शाता है। उन्होंने इसे देश और लोकतंत्र का अपमान बताया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि उनके साथ भी पूर्व में इसी तरह का कथित कृत्य किया गया था और अब देश के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ऐसी घटना दोहराई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संविधान और कानून व्यवस्था के प्रति भाजपा की सोच को दर्शाता है।

- **जयपुर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने भाजपा से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की**

जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खड़गे के अपमान को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने भाजपा से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी जातिवादी सोच और लोकतंत्र के कथित अपमान के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी।

राजस्थान संपर्क 181 पोर्टल का निरीक्षण

- **402 में से 306 प्रकरणों का निस्तारण, 180 दिन से अधिक कोई मामला लंबित नहीं**

जयपुर, (निसं)। गृह (मानवाधिकार) विभाग के संयुक्त शासन सचिव सुखवीर सैनी ने शुक्रवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल- 181 कॉल सेंटर का दौरा कर जनसुनवाई एवं परिवाद निस्तारण प्रणाली का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजस्थान संपर्क स्टेट व्यू एनालिटिक्स डैशबोर्ड के माध्यम से गृह विभाग से संबंधित परिवादों की वास्तविक स्थिति एवं प्रगति की गहन समीक्षा की। डैशबोर्ड समीक्षा में गृह विभाग के परिवादों की अद्यतन स्थिति सामने आई। विभाग से जुड़े कुल 402 पंजीकृत परिवादों में से 306 का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है, जो 76 प्रतिशत से अधिक है। विभाग में 180 दिन (6 माह) से अधिक अवधि का एक भी परिवाद लंबित नहीं है, परिवादियों की संतुष्टि का प्रतिशत 65.09 दर्ज किया गया। संयुक्त शासन सचिव सुखवीर सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निस्तारण की गति के साथ-साथ परिवादियों की संतुष्टि दर को और बढ़ाया जाए। परिवादों की विषयवार (सामान्य परिवाद, कार्मिक संबंधी, सेवा प्रदायगी आदि) सटीक मैपिंग संबंधित स्तर के अधिकारियों (1, 2, 3 4) के साथ की जाए, जिससे शिकायत सीधे सक्षम अधिकारी तक त्वरित गति से पहुंच सके।

उन्होंने कॉल सेंटर प्रतिनिधियों एवं निस्तारण अधिकारियों में संवेदनशीलता बढ़ाने तथा रिपोर्टिंग व्यवस्था को त्रुटिरहित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने पर भी बल दिया। साथ ही 60 से 90 दिन एवं 91 से 180 दिन की श्रेणी के चुनिंदा प्रकरणों को प्राथमिकता देकर परिवादी की पूर्ण संतुष्टि के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सैनी ने गृह विभाग से संबंधित कई परिवादियों से फोन पर सीधे बात कर उनकी समस्याएं जानीं और संबंधित अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए।

'भूखंड के सामने कोई भी निर्माण कार्य न करे रेलवे'

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर तहसील के गांव नानकपुरा में रघुनंदन एन्क्लेव-डी में याचिकाकर्ता के व्यावसायिक भूखंड के सामने रेलवे को किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं करने का निर्देश दिया है। वहीं मामले में रेलवे से 21 अगस्त तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह निर्देश अविनाश अग्रवाल की याचिका पर दिया।

याचिका में अनुश्री अग्रवाल ने बताया कि याचिकाकर्ता का रघुनंदन एन्क्लेव-डी में एक व्यावसायिक भूखंड है। जेडीए ने इसकी इसकी लीज डीड 26 अक्टूबर, 2015 को जारी की थी। इस भूखंड के पूर्वी हिस्से में 200 फीट की रोड बताई गई है, लेकिन रेलवे ने बिना कोई कानूनी प्रक्रिया अपनाए वहां पर बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। इससे याचिकाकर्ता का रोड तक जाने का रास्ता ही बंद हो जाएगा। वहीं रेलवे ने मामले में जवाब के लिए समय मांगा। जिस पर अदालत ने प्रार्थी के भूखंड के सामने रेलवे को कोई निर्माण कार्य नहीं करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने आदेश के बावजूद कैदी को स्थायी पैरोल का लाभ नहीं देने पर नाराजगी जताई

- **डीजी जेल और पैरोल समिति के सदस्यों के खिलाफ क्यों ना अवमानना की कार्रवाई करें, एसीएस गृह भी आकर दे जवाब- हाईकोर्ट**

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद कैदी को स्थायी पैरोल का लाभ नहीं देने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने डीजी जेल और राज्य स्तरीय पैरोल सलाहकार समिति के सदस्यों को 18 अगस्त को पेश होकर बताने को कहा है कि क्यों ना उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई अमल में लाई जाए।

वहीं अदालत ने एसीएस गृह को हाजिर होकर बताने को कहा है कि राज्य सरकार के 1 मई 2024 का आदेश किस तरह विधि सम्मत है।

अदालत ने एसीएस गृह से यह भी पूछा है कि याचिकाकर्ता को गत 22 जुलाई से 4 अगस्त को एएजी के मौखिक निर्देश देने तक स्थायी पैरोल पर रिहा क्यों नहीं किया है। अदालत ने कहा है कि क्यों न इसमें लिए जिम्मेदार अफसरों पर हर्जाना लगाकर उसे याचिकाकर्ता को दिलाया जाए।

जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश सुनील की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बावजूद राज्य स्तरीय पैरोल समिति ने मामले पर इस तरह पुन: विचार किया, जैसे वह कोर्ट के निर्देशों के ऊपर हो सकती है, जबकि अदालत ने प्रकरण पर पुन: विचार करने का कोई विवेकाधिकार नहीं छोड़ा था। यह प्रथम दृष्ट्या अवमानना प्रकट करता है।

याचिका में अधिवक्ता बीआर चौधरी ने कहा कि हाईकोर्ट ने गत 3 जुलाई को पैरोल सलाहकार समिति की कार्रवाई को निरस्त कर जिला मजिस्ट्रेट को जमानत लेकर याचिकाकर्ता को स्थायी पैरोल पर रिहा करने को कहा था। इस आदेश के तहत झुंझुनूं जिला मजिस्ट्रेट ने 22 जुलाई को दौसा जेल अधीक्षक को मामला भेजकर याचिकाकर्ता को रिहा करने को कहा था।

इसके बावजूद जेल अधीक्षक ने सरकार के 1 मई, 2024 के आदेश का हवाला देते हुए प्रकरण पुन: तैयार कर डीजी जेल के पास भेज दिया। वहीं राज्य स्तरीय पैरोल कमेटी ने 16 जुलाई को बैठक कर प्रकरण पर विचार किया और स्थायी पैरोल पर रिहा करने की सिफारिश की।

याचिकाकर्ता ने कहा कि कोर्ट ने याचिकाकर्ता को स्पष्ट रूप से रिहा करने को कहा था, लेकिन उसे कोर्ट के दखल के बाद 4 अगस्त को रिहा किया गया।

वहीं एएजी की ओर से कहा गया कि समस्या गृह विभाग के 1 मई के आदेश के कारण पैदा हुई, लेकिन भविष्य में कोर्ट के निर्देशों की तुरंत पालना की जाएगी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने एसीएस, डीजे जेल और समिति सदस्यों को तलब किया है।

वीबी-जी रामजी योजना के तहत श्रम नियोजन में राजस्थान देश में प्रथम

योजना के लिए अब तक का सर्वाधिक बजटीय प्रावधान

- **प्रत्येकपात्र ग्रामीण परिवार को 125 दिन का रोजगार**

जयपुर। प्रदेश में 1 जुलाई, 2026 को शुरू हुई विकसित भारत-गारंटीफॉर रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत श्रमिक नियोजनके मामले में राजस्थान देश भर में प्रथम स्थान पर है।

योजना के तहत 10 अगस्त, 2026 तक 77 हजार 814 कार्यों पर 8.59 लाख श्रमिकों का नियोजन किया गया है जबकि गत वर्ष इसीअवधि में महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत 6.37 लाख श्रमिकों का नियोजन हुआ था। इस प्रकार वर्तमान योजना के तहत श्रमिक नियोजन में लगभग 2.22 लाख की वृद्धि हुई है, जो कि 34.85 प्रतिशत अधिक है।

विकसित भारतजी राम जी योजना के तहत कुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों को भी श्रम मद में शामिलकिया गया है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत इन श्रमिकों का भुगतान सामग्री मदसे किया जाता था, जिसके कारण राशि की उपलब्धता में कमी होने पर भुगतान में विलंब की समस्या उत्पन्न होती थी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा योजना के लिएकेन्द्रीयांश राशि 7,581.87 करोड़ रुपये आवंटित की गई है, जबकि राज्य सरकार द्वारा राज्यांश के रूप में 5,054.57 करोड़ रुपये का प्रावधान राज्य बजट में किया गया है। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए कुल 12,636.44 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गयाहै, जो अब तक का सर्वाधिक बजटीय प्रावधान है। मिशन के अंतर्गत चार श्रेणियों के 318 प्रकार के कार्य अनुमत हैं। उल्लेखनीय है किपूर्ववर्ती महात्मा गांधी नरेगा योजना में 266 प्रकार के कार्य ही अनुमत थे। विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत जुलाई, अगस्त एवंसितंबर 2026 के लिए श्रम मद में 2,105.89 करोड़ रुपये, सामग्री मद में 1,403.93 करोड़ रुपये तथा प्रशासनिक मद में 280.78 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि केन्द्रीयांश एवं राज्यांश के रूप में जारी की जा चुकी है। योजना के तहत सामग्री मद में प्रत्येक ग्राम पंचायत को औसतन 12.4 लाख रुपये की अग्रिम राशि जारी की गई है।

जयपुर उत्तर में 26.38 लाख रुपए का मादक पदार्थ नष्ट

जयपुर, (निसं)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जयपुर उत्तर पुलिस ने विभिन्न मामलों में जब्त 84 किलो 504 ग्राम 42 मिलीग्राम मादक पदार्थ का नियमानुसार विनष्टीकरण कराया। नष्ट किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत 26 लाख 38 हजार 701 रुपए आंकी गई है।

पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 13 अगस्त 2026 को गठित विशेष समिति की मौजूदगी में एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त मादक पदार्थों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नष्ट कराया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ पर्यावरण संबंधी निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों का भी पालन किया गया।

पुलिस के अनुसार विनष्टीकरण में 8.439 किलोग्राम गांजा, 77.992 किलोग्राम डोडा पोस्त और 73.42 ग्राम स्मैक शामिल थी।

17 अगस्त को निकाय व 18 को पंचायत चुनाव की आरक्षण लॉटरी

जयपुर, (निसं)। नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 को लेकर जयपुर जिले में चुनावी तैयारियां तेज हो गई हैं। जिले में 17 अगस्त को नगरीय निकायों के वार्डों के वर्गवार एवं महिला आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी, जबकि इसके अगले दिन 18 अगस्त को पंचायती राज संस्थाओं के विभिन्न पदों के आरक्षण का निर्धारण एवं श्रेणीवार आवंटन किया जाएगा। इन प्रक्रियाओं के साथ ही आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी। जिला कलक्टर जयपुर संदेश नायक के आदेशानुसार नगर निगम जयपुर के 150 वार्डों के वर्गवार आरक्षण एवं महिला आरक्षण की लॉटरी 17 अगस्त को सुबह 10 बजे कलक्ट्रेट सभागार में निकाली जाएगी। प्रक्रिया राजस्थान नगर पालिका निर्वाचन अधिनियम, 2009 एवं नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगी। इसके बाद सुबह 11 बजे जयपुर जिले की नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के वार्डों के आरक्षण की लॉटरी शुरू होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सबसे पहले जोबनेर के 20 वार्डों की लॉटरी होगी। इसके बाद बगरू के 35,वाटिका के 25, चाकसू के 35, चौमूं के 45, कालाडेरा के 20, जमवारामगढ़ के 35, दूदू के 25, फागी के 20, फुलेरा के 25, सांभर के 25, किशनगढ़ रेनवाल के 35, नारायणा के 25, बस्सी के 35, कानोता के 20, शाहपुरा के 55, मनोहरपुर के 35 तथा खेजरोली के 25 वार्डों के लिए क्रमशः लॉटरी निकाली जाएगी।

पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के लिए 18 अगस्त को आरक्षण निर्धारण एवं श्रेणीवार आवंटन की प्रक्रिया होगी।

विदेशी एमबीबीएस डॉक्टर समेत तीन चरस तस्कर गिरफ्तार

- **आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 13 ग्राम चरस बरामद की है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5 लाख रुपए आंकी गई**
- **गिरफ्तार आरोपियों में डॉ. मोंटी सिंह पुलिस के अनुसार विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई की है**

जयपुर, (निसं)। जयपुर कमिश्नरेट की दक्षिण जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन जागृति' के तहत कार्रवाई करते हुए चरस तस्करी के आरोप में तीन जनों को गिरफ्तार किया है। डीएसटी दक्षिण और शिप्रापथ थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 13 ग्राम चरस बरामद की है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5 लाख रुपए आंकी गई है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कार्पियो भी जब्त की गई है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज (आईपीएस) ने बताया कि नशे के अवैध कारोबार और तस्करों के खिलाफ अभियान के तहत डीएसटी प्रभारी विशंभर दयाल और शिप्रापथ थानाधिकारी हितेश शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी।

पुलिस ने 'ऑपरेशन जागृति' के तहत कार्रवाई करते हुए चरस तस्करी के आरोप में तीन जनों को गिरफ्तार किया ।

जहां पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्धों की घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ा। तलाशी में 1 किलो 13 ग्राम अवैध चरस मिली। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल स्कार्पियो भी जब्त की है।

गिरफ्तार आरोपियों में डॉ. मोंटी सिंह (26) भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार मोंटी सिंह ने विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई की है, लेकिन चिकित्सा क्षेत्र में काम करने के बजाय मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हो गया। पुलिस अब आरोपियों से चरस की खरीद, सप्लाई और बिक्री से जुड़े नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार डॉ. मोंटी सिंह पुत्र हयात सिंह, डिग्री चौराहा टनकपुर रोड, थाना खटीमा, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) का निवासी है।

दूसरा आरोपी रोहित मेहर (26) पुत्र बलवंत सिंह मेहर, ग्राम तिगरी, टनकपुर रोड, थाना चकरपुर, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) तथा तीसरा आरोपी चंद्रभान सिंह (26) पुत्र सियाराम गुर्जर, ग्राम ताजपुर, पोस्ट कंजौली, थाना बालघाट, जिला करौली का रहने वाला है।पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मादक पदार्थ की सप्लाई के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी विशंभर दयाल, शिप्रापथ थानाधिकारी हितेश शर्मा, एसआई धर्मेंद्र, एएसआई लालाराम व प्रेमचंद, हेड कांस्टेबल हंसराज, अभयसिंह, राजेश, मानसिंह, भीमसिंह, तकनीकी शाखा के लोकेश व रामसिंह तथा कांस्टेबल नारायण, प्रेमचंद, अजयपाल, राजवीर और देवेंद्र की विशेष भूमिका रही।

उधम उद्घोष में गूंजा शहीद उधम सिंह का शौर्य

जयपुर, (निसं)। देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी शहीद सरदार उधम सिंह की स्मृति में शुक्रवार को जयपुर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में 'उधम उद्घोष : हम हैं उधम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शिरकत कर शहीद उधम सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद उधम सिंह का अदम्य साहस, मातृभूमि के प्रति समर्पण आज भी प्रत्येक भारतीय को देशहित में समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन त्याग, शौर्य और संकल्प की ऐसी अमर गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाने का संदेश देती रहेगी। उन्होंने शहीद उधम सिंह के महान बलिदान को नमन करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वीर सपूतों का योगदान सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

सार-समाचार

छात्र-छात्राओं को निशुल्कः स्टेशनरी, पेंसिल,रूल, रबड़ इत्यादि का वितरण

जयपुर । व्यास सेवा संस्थान एवं उत्कर्ष संस्थान जयपुर द्वारा गायत्री परिवार द्वारा संचालित मां भगवती उच्च प्राथमिक विद्यालय किरण पथ मानसरोवर में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को निशुल्क: स्टेशनरी यथा कॉपियां,पेन, पेंसिल,रूल, रबड़ इत्यादि का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता 1008 नर्मदा शंकर गिरी जी महाराज महामंडलेश्वर, शशिकला अग्रवाल,दिनेश अग्रवाल,अनीताअग्रवाल, संस्थान के पदाधिकारी संस्थापक सचिव नरेंद्र व्यास, सुभाष चंद्र झा,कमल किशोर शर्मा, विनोद व्यास, विजय व्यास, तथा गायत्री परिवार के केदार शर्मा, प्रधानाचार्य शिवानी, सचिव प्रबुद्ध शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां गायत्री माता के चित्र के सामने दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया। स्वर्गीय इंदु व्यास के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई सभी वक्ताओं ने छात्र को संबोधित करते हुए नैतिक शिक्षा एवं सनातन बारे में विस्तृत रूप से समझाया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं को कोर्स के रूप में आवश्यक स्टेशनरी का निशुल्क वितरण किया कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी महेश भारद्वाज द्वारा किया गया। अंत में संस्थान के अध्यक्ष कैलाश शर्मा (राष्ट्रदूत) द्वारा बताया गया कि अब तक इस सत्र में दोनों संस्थाओं द्वारा 150000 अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण किया जा चुका है। संस्थान इसके अतिरिक्त गौ सेवा, निशुल्क मैडिकल कैंप, सार्वजनिक मंदिर का संचालन भी करता है महेश भारद्वाज द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

डॉ. सुदीप्ति इंडियन वुमन नेटवर्क राजस्थान चैप्टर की नई चेयरपर्सन बनीं

जयपुर। डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा, जयपुर के डॉ. बी. लाल इंस्टीट्यूट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी में एक कुशल एनवायरनमेंटल रिसर्च साइंटिस्ट और डायरेक्टर हैं। वेस्ट मैनेजमेंट, खासकर सॉलिड और लिक्विड वेस्ट ट्रीटमेंट में स्पेशलाइज़ेशन के साथ, उनके पास वर्मीफ़िल्ट्रेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके नेचर-बेस्ड वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट सॉल्यूशन का पेटेंट है। वह "प्रकृतिः ए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी" की फ़ाउंडर भी हैं और प्रकृति सस्टेनेबल इंटीग्रेटेड फ़ाउंडेशन कंपनी की डायरेक्टर के तौर पर काम करती हैं। 2026 में, डॉ. अरोड़ा को सरकार ने चेवनिंग फ़ेलो के तौर पर चुना था और उन्होंने ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में अपनी फ़ेलोशिप पूरी की, जहाँ उन्होंने सस्टेनेबिलिटी और नेट-ज़ीरो ट्रांज़िशन के लिए लीडरशिप, इनोवेशन, सिस्टम्स थिंकिंग और टेक्नोलॉजी-बेस्ड तरीकों पर काम किया। इस फ़ेलोशिप ने जटिल ग्लोबल चुनौतियों से निपटने में सक्षम, भविष्य के लिए तैयार लीडर्स बनाने के उनके विज़न को और मज़बूत किया है। डॉ. अरोड़ा ने प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रुड़की से अपनी .. और मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी जयपुर से एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग में मास्टर्स डिग्री हासिल की है।

गुलज़ार के जन्मदिन पर उनके रचित गीतों की शाम आयोजित

जयपुर । शास्त्री नगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान की ओर से बॉलीवुड के मशहूर गीत कार गुलज़ार के जन्मदिन के मुबारक मौके पर उनके रचित सदाबहार गीतों की शाम आयोजित की जाएगी। संस्थान के सचिव अमित अनुपम ने बताया कि कार्यक्रम 18 अगस्त की शाम 4:00 बजे शास्त्री नगर स्थित संस्थान परिसर में होगा। इसमें संस्थान के बाल और युवा कलाकार गुलजार रचित गीतों को माला अपनी आवाज़ में पिरोएँगे।

'कम परीक्षा परिणाम के आधार पर अध्यापक को नहीं कर सकते दंडित'

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने विभागीय मापदंड से कम परीक्षा परिणाम देने पर वरिष्ठ अध्यापक के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई को गलत मानते हुए रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को समस्त परिलाभ देने के लिए कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश करौली जिले के जटवाडी उच्च माध्यमिक विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक महेश शर्मा की याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि केवल कम परीक्षा परिणाम के आधार पर शिक्षक को दंडित नहीं किया जा सकता। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता साल 2018 से साल 2020 तक करौली जिले में लखरूकी के स्कूल में अंग्रेजी विषय का वरिष्ठ अध्यापक था। इस साल 10 वीं कक्षा का अंग्रेजी विषय का परीक्षा परिणाम विभागीय मापदंड से कम आया। जिस पर माध्यमिक शिक्षा संयुक्त निदेशक ने उसे चार्जशीट दी और जुलाई 2021 में उसे परिनिंदा का दंड दिया। इसकी खिलाफ पेश अपील पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने भी दंड को बरकरार रखा। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा कि पूर्व के सालों में उसके स्कूल का परिणाम सदैव उत्कृष्ट रहा है। केवल एक साल कम परीक्षा परिणाम आने पर उसे दंडित नहीं कर सकते। वहीं उस साल कोविड के चलते लॉक डाउन भी लग गया था। हर छात्र का पढ़ने का स्तर एक जैसा नहीं होता है। उसे कम परिणाम के लिए दोषी करार देकर दंडित करना गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता के दंडादेश को रद्द कर दिया है।

बालगृहों में बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए शिविर आयोजित

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा शुक्रवार 14 अगस्त 2026 को जयपुर जिले के विभिन्न बालगृहों में निवासरत बालक-बलिकाओं के आधार कार्ड बनवाने हेतु विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। डीएलएसए मेट्रो द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा ने बताया कि शिविर में उन वंचित बच्चों का आधार कार्ड बनवाने हेतु आवेदन किया गया जिनके माता-पिता नहीं हैं और जिनका आधार कार्ड किसी भी कारण से नहीं बन पाया है। यह शिविर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डी ओ आई टी) और जिला बाल संरक्षण विभाग (डी सी पी यू) के संयुक्त समन्वय से एसओएस बालग्राम, पीतल फैक्ट्री, जयपुर में आयोजित किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय पल्लवी शर्मा ने बताया कि शिविर में जयपुर के विभिन्न बालगृहों यथा समर्पण संस्थान, मातृछाया बालगृह, बाल बसेरा गृह, एसओएस चिल्ड्रन विलेज, आंचल बालिका गृह, सुमन संस्थान बाल गृह, सुमन संस्थान बालिका गृह, रेज़ आशा की एक नई किरण, बाल बसेरा आश्रय गृह, नया सवेरा सोसाइटी आश्रय गृह के कुल 55 बच्चों के आधार कार्ड बनाने अथवा अपडेट के लिए आवेदन करवाए गए। इनमें से 27 बच्चों के आधार कार्ड मोके पर ही बनाए।

35 मामलों का हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर, (निसं)। कालवाड़ थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी कालवाड़ थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट के करीब 35 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से हाथोज स्थित हॉट बाजार से चोरी की गई स्प्लेंडर प्लस बाइक भी बरामद की है।

ARBiT it happens here...

Celebrating Freedom

Independence Day in India marks the country's freedom from British colonial rule in 1947. It is a day of pride, patriotism, and reflection, observed with flag hoisting ceremonies, cultural programs, and tributes to national heroes. The Prime Minister addresses the nation from the Red Fort in Delhi, recalling the sacrifices of freedom fighters and highlighting national progress. Schools, institutions, and communities across the country participate in celebrations. This day not only commemorates India's hard-won independence but also inspires citizens to uphold the values of democracy, unity, and diversity that define the nation.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
15 August 2026
A-B

Command Does Not End When The Firing Stops

Sometimes, That Is Precisely Where It Begins

PART:2

She remained silent for a long time. Finally, she asked almost in a whisper, "So…my son did not run away?" I looked directly at her. "No, Amma. He ran towards danger. He died chasing the enemy. He died with great courage. He brought honour to the battalion. And he brought honour to you." Her hands tightened around the photograph. A single tear rolled slowly down her weathered cheek. She did not wipe it away. Then, with remarkable composure, she said something I have never forgotten. "I gave him to the Indian Army. The Indian Army made him a good man." Not a brave man. Not a hero. A good man. Those words struck me more deeply than anything else she had said. For that is what every regiment hopes to achieve. Not merely to produce courageous soldiers. But to produce good men.

Lt Gen Shokin Chauhan
(PVSM, AVSM, YSM, SM, VSM)

As darkness descended swiftly across the hills of Bhojpur, I had no idea that the most unforgettable conversation of my military life was still ahead of me. As the meal slowly took shape, I looked around the little kitchen. There were no baskets of vegetables. No fruit. No sacks of grain stacked against the wall. Winter had stripped the hills of abundance. The terraced fields lay bare until spring. Whatever had been harvested months earlier had to last until the next growing season. I noticed Amma glance upwards towards the smoke-darkened rafters. Hanging from the bamboo beams was a single green chilli, tied carefully with a piece of string. It had been kept there to dry slowly in the warmth of the hearth, preserved for the days when nothing else remained to flavour a meal. She reached up carefully and untied it. Holding it gently in her hand, she smiled almost apologetically. "I was saving this for later." Then, she looked at me. "But today, my son's Saab has come."

Before I could reply, she quietly walked outside into the courtyard. A few moments later, I heard the unmistakable fluttering of wings. When she returned, she was carrying the village's only luxury. The solitary hen that had been scratching in the courtyard only minutes earlier. I immediately understood what she intended to do. "No, Amma," I said gently. "Please don't." She looked at me with quiet determination. "It is our honour. This chicken curry was Chattre's favourite dish. Today, it is for you." There are moments when refusing generosity would wound more deeply than accepting it. I said nothing more. She disappeared behind the house.

A short while later, she returned carrying the bird, now cleaned and ready for cooking. With practised hands she lit the fire, placed an old, blackened pot upon the clay hearth and slowly prepared the meal. The aroma of wood smoke, fresh chicken, and the single green chilli soon filled the tiny room. As I watched her move quietly about the kitchen, I realised that this was probably the most expensive meal she would prepare all winter. Not because of money but because of what it cost her to give it.

In the Army, we often speak of sacrifice in terms of gallantry under fire. Yet, some sacrifices never appear in citations. An elderly mother, living alone in a remote Himalayan village, giving away her only chicken and the last green chilli she had been saving for the winter because her son's Commanding Officer had come to visit is one of them.

We sat cross-legged on the mud floor and shared the meal. She apologised repeatedly. "Saab, if Chattre had been here, I would have cooked better." I found myself unable to answer immediately. After a long silence, I finally said, "Amma, I have eaten in officers' messes and state banquets across many countries. But I do not think I shall ever eat another meal prepared with so much love." She lowered her eyes. For the first time since I had arrived, she smiled, not with happiness, but with the quiet satisfaction of a mother who believed she had honoured her son's memory.

A Mother's Question

Dinner ended quietly. The little clay bowls were washed with precious water and placed upside down on a wooden shelf beside the hearth. Amma carefully swept the mud floor before spreading a simple mattress for herself near the dying fire after insisting that I take the bed. Outside, the village had fallen silent. There was no electricity in Hathua. Darkness belonged completely to the mountains. The only light came from the embers glowing softly beneath the cooking pot. For a long time, neither of us spoke. The warmth of the fire seemed to invite memories.

Amma rose slowly and walked towards the old iron trunk standing beside the bed. She untied the small brass key from the corner of her shawl and unlocked it with practised hands. The hinges creaked gently. Inside lay everything that remained of Rifleman Chattra Bahadur Rai. There was no disorder. Every article had its place. His olive-green beret rested carefully, wrapped in a piece of white cloth. Beside it lay his kukri, still gleaming despite the passing years. There were neatly folded letters, his identity card, service documents, photographs, and the medals that the nation had awarded after his death. Nothing had been moved unnecessarily. Nothing had been forgotten. She lifted each item with extraordinary tenderness, not as possessions but as memories. Finally, she took out a photograph. It showed a young Chattre in the uniform of 2nd Battalion, 11 Gorkha Rifles (Shingo). His beret sat perfectly. His boots shone. There was confidence in his smile. The quiet confidence that I remembered so well.

She handed me the photograph. "Saab, he looked happy."

"Yes, Amma, he was."

"He loved being a soldier," she continued. "He never complained, he was respected by everyone, he was brave." For a while, she simply looked into the fire. Then, without taking her eyes away from the flames, she spoke again.

"Saab, tell me honestly." There was another pause. "Did my son suffer?" The question hung in the room. Three years. For three years, she had carried that single question. Official letters had not answered it. The Army's condolences had not answered it. The medals had not answered it. Only one man sitting in that room could. I moved closer to her. "No, Amma," I said softly. "He did not suffer. He died as a Gorkha soldier would have wished to die." She nodded gently and turned towards me. I could see that she wanted the truth. No comfort. The truth.

I took a deep breath. "Chattre was part of an operation in Kashmir. We had information that a Pakistani terrorist was hiding in dense forest. Our boys closed in. The terrorist tried to break through the cordon. Chattre saw him. And without thinking of his own safety, he chased him."

I stopped for a moment. The fire crackled softly. "He could have waited. He could have stayed under cover. But that was not Chattre. He pursued him…fearlessly. The terrorist fired. Chattre was hit…." I felt the familiar heaviness that returns whenever one remembers a fallen soldier. "He fell while doing exactly what he believed was his duty." There was complete silence. Then, I continued. "The terrorist escaped that day." I saw her lower her head. "But only for a short while. Our battalion continued the operation. We tracked him. And we killed him." Justice in war is never complete. It cannot restore a life. But it matters.

She remained silent for a long time. Finally, she asked almost in a whisper, "So…my son did not run away?" I looked directly at her. "No, Amma. He ran towards danger. He died chasing the enemy. He died with great courage. He brought honour to the battalion. And he brought honour to you." Her hands tightened around the photograph. A single tear rolled slowly down her weathered cheek. She did not wipe it away. Then, with remarkable composure, she said something I have never forgotten. "I gave him to the Indian Army. The Indian Army made him a good man." Not a brave man. Not a hero. A good man. Those words struck me more deeply than anything else she had said. For that is what every regiment hopes to achieve. Not merely to produce courageous soldiers. But to produce good men.

#COMMAND

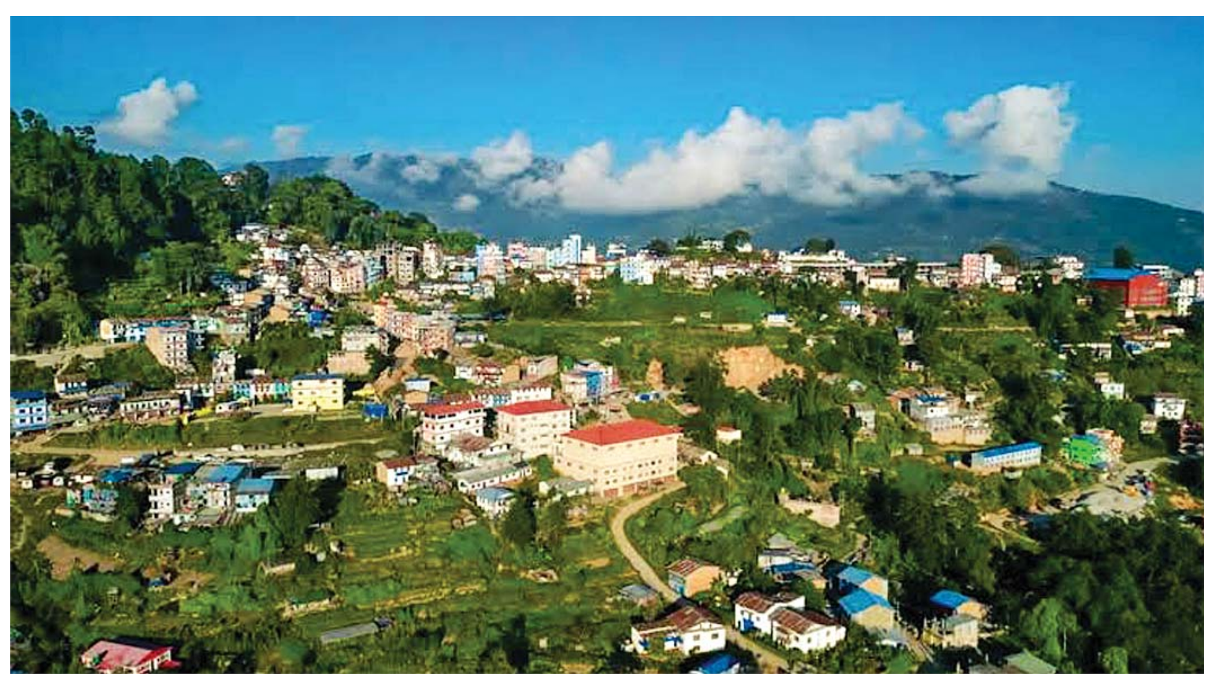

> Whenever I think of Rifleman Chattra Bahadur Rai, I no longer see the forests of Kashmir where he laid down his life while courageously pursuing a terrorist. I see instead a lonely figure wrapped in a grey shawl, standing outside a modest thatched house in the hills of Bhojpur, watching her son's Commanding Officer disappear down a mountain path.

Amma carefully returned the photograph to the trunk. She folded Chattre's uniform with the same care that she must once have folded his clothes before he left for recruitment. Nothing had changed. Except that now she folded memories instead of laundry. Before closing the lid, she rested her hand upon the beret for a few seconds almost as though blessing it. Then, she locked the trunk once again. The key disappeared back into the corner of her shawl. Outside, the wind sighed through the pine trees. Inside that little house in Hathua, I realised that the Army had sent a notification of death. It had provided financial assistance. It had honoured Chattre with military dignity. But none of those things had answered the question that had haunted his mother every single day since December 2001. Sometimes, the last duty of a commanding officer is simply to bring peace to a mother's heart. That night, long after Amma had fallen asleep, I remained awake beside the dying embers of the fire. I thought about Chattre. I thought about the hundreds of young soldiers I had commanded. And I silently promised myself that whenever duty or destiny allowed, I would seek out the families of those who had served under me. Not because regulations required it. But because command does not end when the firing stops. Sometimes, that is precisely where it begins.

The Farewell

I slept little that night. The fire had long since died, but the smell of wood smoke lingered in the little house. From somewhere beyond the hills came the distant bark of a dog, followed by silence so complete that I could hear the Arun River far below, flowing steadily through the valley as it had for centuries. There are nights in a soldier's life that remain forever. This was one of them.

Before dawn, I heard a movement outside. Amma was already awake. When I stepped into the courtyard, the eastern sky was beginning to glow faintly behind the distant Himalayan peaks. Frost covered the terraces like a thin white blanket. Every blade of grass sparkled in the first light of morning. The air was so cold that each breath emerged in little clouds before disappearing into the stillness. Her shawl wrapped tightly around her shoulders, Amma was feeding the pig before absentmindedly scattering a little grain for the hen that no longer greeted visitors. Looking at the empty corner of the courtyard, I was reminded once again of the price she had paid simply to honour the memory of her son. She smiled when she saw me. "Saab," she said, "your tea is ready."

We sat together outside the house, warming our hands around small brass cups of tea. Neither of us spoke very much. We no longer needed to. The mountains have a way of teaching silence. Soon, it was time to leave. The long walk back to Dhankutta lay ahead, followed by the drive to Dharan and eventually Kathmandu. Official duties would resume. Files would accumulate on my desk. Meetings would fill the days.

But for those few moments, none of that seemed important. The villagers had gathered quietly in the courtyard. Word had spread that Chattre's Commanding Officer was leaving. There were no speeches. No formal farewells. Only warm smiles, folded hands, and simple good wishes. Amma disappeared into the house for a few moments. When she emerged, she carried a small brass plate. Upon it lay a little vermilion powder, a few grains of rice, and fresh flowers gathered before sunrise. Without a word, she stood before me. I instinctively bowed my head. With hands that trembled slightly from age, she placed a tikka on my forehead. The rice clung to the red mark. Then, she looked directly into my eyes. There was neither sadness nor self-pity on her face. Only the quiet strength that I had come to admire. Very softly she said, "Saab, I had only one son." Her voice faltered. For a moment, she looked towards the mountains. Then, she continued, "God took him away." She reached out and held both my hands in hers. Her palms were rough from a lifetime of working the hills. "Today, when you leave this house, I shall again have one son. You must come whenever you can."

For several moments, I could not speak. In all my years in uniform, in war, in peace, in command and in diplomacy, I cannot recall another moment that humbled me more. I bent down and touched her feet. She tried, as she had done the previous afternoon, to prevent me. "No, Saab, no…." But I persisted. She placed both her hands gently upon my head and blessed me once again. In that instant, I no longer felt like a visiting officer or the Defence Attaché. I felt like Chattre's elder brother returning home. As I began walking down the mountain path, I turned once to look back. Amma was still standing exactly where I had left her, one hand raised in blessing, watching until I was out of sight. I never saw her again, yet not a single year has passed without my thinking of that winter morning in Hathua.

People often ask soldiers whether they remember the battles they fought. Of course, we do. We remember the gunfire. We remember the fear. We remember the men we lost. But as the years pass, those memories slowly become quieter. What remains vivid are the people. Whenever I think of Rifleman Chattra Bahadur Rai, I no longer see the forests of Kashmir where he laid down his life while courageously pursuing a terrorist. I see instead a lonely figure wrapped in a grey shawl, standing outside a modest thatched house in the hills of Bhojpur, watching her son's Commanding Officer disappear down a mountain path. That journey taught me something no military academy, staff college, or command appointment ever could. Command is often described in terms of authority, responsibility, and decision-making. In Hathua, I learnt that command is something much deeper. It is a covenant. When a young man joins a battalion, he entrusts his life to his commanding officer. His family entrusts something even more precious, their faith. If fate allows him to return, that trust is rewarded. If he falls, that trust does not end with the funeral, the bugle or the folded Tricolour. It becomes the Commanding Officer's to carry, long after the last shot has been fired, long after the medals have been presented, long after the world has moved on.

As I descended towards the Arun River that morning, I realised that I had gone to Hathua believing I was paying a debt to one of my soldiers; I returned with the knowledge that I had been given a gift far greater. Meeting Chattre's mother had reminded me that the true strength of a regiment is measured not by the battles it wins, but by the bonds it refuses to break. That winter morning, in a tiny thatched house in the hills of eastern Nepal, an old mother gave me the greatest honour of my military life.

She called me her son.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#JUSTICE RADHABINOD PAL

The Indian Judge Honored in Japan

There is a famous sentiment often repeated in Japan: "Learn gratitude from a Japanese, and courage from an Indian."

In Tokyo, there stands a monument dedicated to an Indian judge, a rare tribute from one nation to a foreign jurist. For many Japanese people, this monument symbolizes courage, fairness, and moral independence. The judge was Radhabinod Pal, and his name continues to command deep respect in Japan decades after the end of the Second World War. There is a famous sentiment often repeated in Japan: "Learn gratitude from a Japanese, and courage from an Indian." For many, Justice Pal embodied that courage.

The Trials After World War II

After World War II ended in 1945, Japan was defeated. The Allied powers, the nations that had won the war, established the International Military Tribunal for the Far East (IMTFE) in Tokyo. Its purpose was to prosecute Japanese political and military leaders for war crimes, especially for "crimes against peace" and aggressive warfare.

Eleven judges from victorious Allied nations were appointed to hear the case. India, though still under British rule at the time, sent Justice Radhabinod Pal from the Calcutta High Court as its representative.

The Lone Dissenting Voice

Among the eleven judges, ten voted to convict the Japanese leaders. Only Justice Pal dissented. He wrote an extraordinary dissenting judgment running over 1,200 pages. In it, he argued that all the accused should be found not guilty of the specific charge of "conspiracy to wage aggressive war."

Justice Pal did not deny that terrible atrocities had occurred during the war. He acknowledged events such as the Nanjing Massacre and recognized the suffering caused by Japanese military actions. However, his central argument was about justice and legal consistency. He believed the tribunal was applying laws selectively and retrospectively. According to him, powerful colonial nations that had themselves committed violence across Asia and Africa were now judging Japan while ignoring their own histories of imperialism and warfare.

Pal questioned whether true justice could exist if only the defeated were prosecuted.

Questioning the Atomic Bombings

Justice Pal also became one of the rare legal voices of his era to openly suggest that if "crimes against humanity" were to be the standard, then the atomic bombings of Hiroshima and Nagasaki should also be morally and legally examined.

At a time when much of the world viewed Japan only through the lens of wartime aggression, Pal's opinion introduced a more complex discussion about victor's justice, morality in war, and the responsibility of all powerful nations.

Why Japan Remembers Him

Postwar Japan was devastated, physically, politically, and psychologically. The country faced occupation, shame, and international condemnation. In that atmosphere, Justice Pal's dissent became deeply meaningful to many Japanese citizens.

While the world largely portrayed Japan as uniquely guilty, an Indian judge publicly argued that the legal process itself was politically influenced. To many in Japan, this was not merely a legal opinion; it was an act of intellectual independence and humanity. Because of this, Justice Pal earned immense respect in Japan. He was later honored by the Japanese Emperor with one of Japan's highest decorations. A memorial dedicated to him exists at Yasukuni Shrine, where his memory continues to be honored.

Continuing Respect from Japan

The admiration for Justice Pal did not disappear with time. In 2007, former Japanese Prime Minister Shinzo Abe visited India and made a special trip to Kolkata to meet Justice Pal's son, Prasanta Pal. The gesture reflected the continuing gratitude many Japanese people feel towards the Indian jurist.

A Symbol of Independent Thought

Justice Radhabinod Pal remains a complex and debated historical figure. Some critics argue that his judgment overlooked aspects of Japanese militarism, while supporters view him as a defender of consistent international law and anti-colonial thinking. Yet, regardless of political interpretation, his courage to stand alone among eleven judges remains extraordinary. At a moment when the entire world moved in one direction, an Indian judge chose to follow his conscience and legal reasoning instead of political pressure. That is why, even today, Japan remembers him with gratitude, and his story continues to resonate across generations.

THE WALL

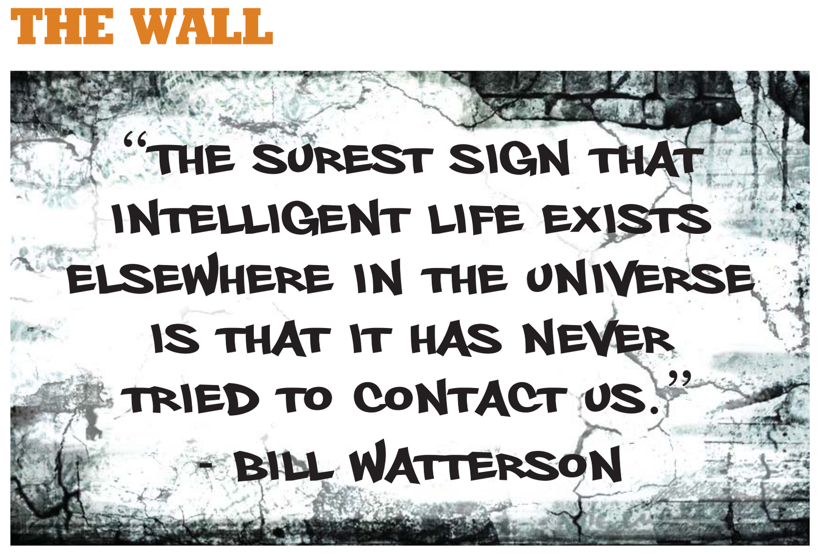

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

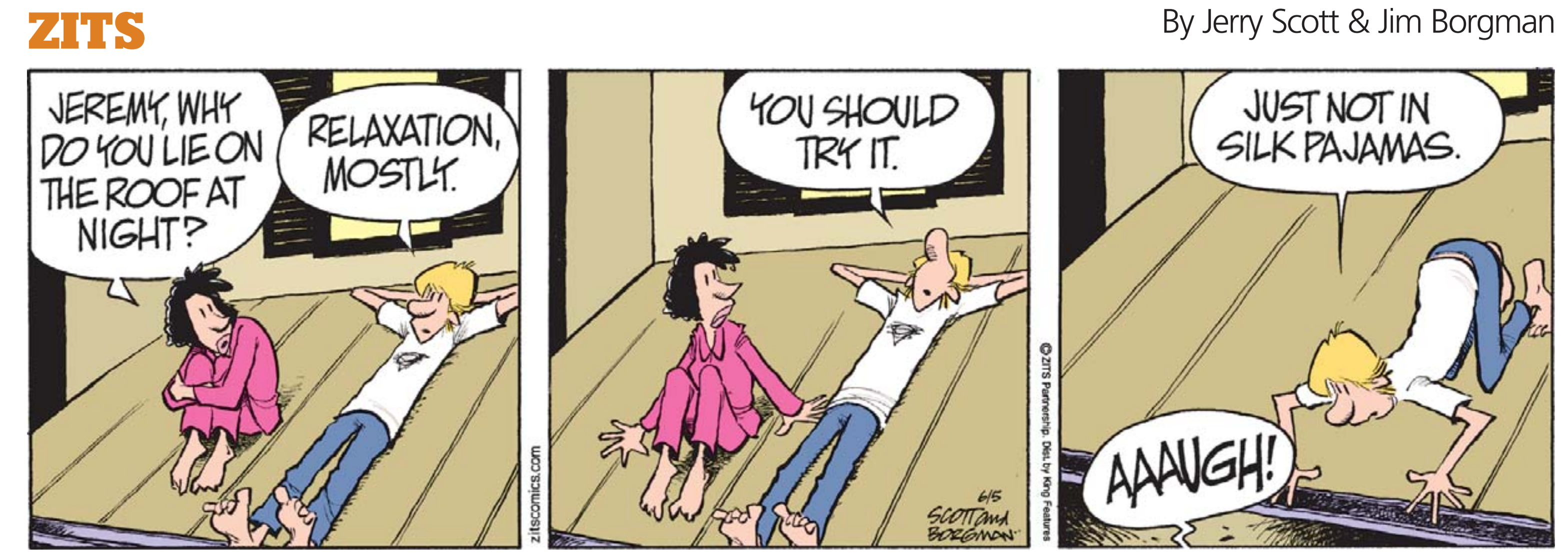

धोनी जिस तरह से दबाव में भी शांत रहते हैं, मैं भी वैसा ही करने की कोशिश करती हूं। यही सोचती हूं कि डर के आगे जीत है। इस हुनर के लिये 'कैप्टन कूल' महेंद्र सिंह धोनी को आदर्श मानती हूं। - बिछू देवी

भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर, धोनी को अपना आदर्श मानने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

माइकल कैरिक

कोच माइकल कैरिक ने स्पष्ट किया है कि प्रतिद्वंद्वी क्लबों के भारी निवेश के बावजूद टीम का ध्यान उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम उपयोग और मार्कस रैशफोर्ड जैसे खिलाड़ियों की उपयोगिता पर केंद्रित है। कीवर्ड्स: मैनचेस्टर यूनाइटेड, माइकल कैरिक, मार्कस रैशफोर्ड, फुटबॉल ट्रांसफर न्यूज़, प्रीमियर लीग। मैनचेस्टर यूनाइटेड की 100 मिलियन पाउंड के बड़े सौदों से दूरी क्लब की सोची-समझी वित्तीय रणनीति और मैदान पर प्रदर्शन को प्राथमिकता देने के संतुलन को दर्शाती है। कैरिक का मानना है कि भविष्य में टीम को लगातार मजबूत करना जरूरी है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने ओलंपिक खेलों में सबसे ज़्यादा 8 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं। इसके अलावा, भारत ने एकमात्र हॉकी विश्व कप 1975 में जीता था।

हॉकी विश्व कप में 51 साल का इंतजार खत्म करने उतरेगा भारत

हरमनप्रीत के सामने नया इतिहास रचने का मौका

नई दिल्ली, 14 अगस्त। कुआलालंपुर में 1975 में रचा गया भारतीय हॉकी का स्वर्णिम इतिहास आज भी देश के खेल प्रेमियों की यादों में ताजा है। अब 51 साल बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम उसी गौरव को नई पीढ़ी के दम पर दोहराने के इरादे से एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप-2026 में उतरेगी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और उसका लक्ष्य अतीत की उपलब्धियों को याद करने के बजाय अपना नया इतिहास लिखना होगा।

1975 की याद, लेकिन नजर नए इतिहास पर : भारत ने 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में एकमात्र विश्व कप खिताब जीता था। संयोग से अजीत पाल सिंह के बाद हरमनप्रीत सिंह ऐसे दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं, जो दो विश्व कप में टीम की कप्तानी करेंगे। हरमनप्रीत ने 2023 विश्व कप में पहली बार कप्तानी की थी।

भारत की तैयारियां भी उत्साह बढ़ाने वाली रही हैं। एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में टीम ने मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड्स को हराया। भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को भी दो बार शिकस्त दी, जबकि इंग्लैंड को शूटआउट में मात दी। विश्व कप में पाकिस्तान और इंग्लैंड भी भारत के ग्रुप में हैं।

इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से चुनौती : भारत को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारत 15 अगस्त को वेल्स, 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को पाकिस्तान से भिड़ेगा। इस बार विश्व कप का प्रारूप भी चुनौतीपूर्ण है। पहले चरण के चारों पूल से शीर्ष दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी। दूसरे चरण में ई और एफ पूल बनाए जाएंगे, जबकि अन्य आठ टीमें वर्गीकरण मुकाबलों के लिए जी और एच पूल में जाएंगी। दूसरे चरण के ई और एफ पूल की शीर्ष दो-दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। खास बात यह है कि पहले चरण में क्वालीफाई करने वाली टीम के खिलाफ हासिल किए गए अंक और परिणाम अगले चरण में भी साथ जाएंगे। ऐसे में शुरुआती चरण का प्रत्येक मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण होगा।

अनुभव और युवा जोश का संतुलन: भारत की टीम में अनुभव की कोई कमी नहीं है। मंदीप सिंह और मनप्रीत सिंह चौथी बार विश्व कप में हिस्सा लेंगे। मनप्रीत के नाम 417 अंतरराष्ट्रीय मैच हैं और वह टूर्नामेंट में भारत के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी होंगे। हरमनप्रीत, हार्दिक सिंह, अमित रोहिदास, विवेक सागर प्रसाद, सुमित और नीलकांत शर्मा भी टीम को मजबूती देंगे।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हमारी ताकत हमारी विविधता है। हमारे पास टूर्नामेंट स्तर, ओलंपिक और विश्व कप का अनुभव रखने वाले खिलाड़ी हैं और इसके साथ हमारे पास ऐसे युवा खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने अंडर-21 स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है और पिछले 18 महीनों में टीम में जगह बनाई है। हम इस मिश्रण को लेकर उत्साहित हैं।

भारतीय टीम में आठ खिलाड़ी पहली बार विश्व कप खेलेंगे। इनमें 23 वर्षीय मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालगे के पास अब तक 13 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम रचेगी इतिहास, 600 टेस्ट में श्रीलंका से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, 14 अगस्त । भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ़ होने वाले ऐतिहासिक मैच से पहले टीम की कप्तानी करने को बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य बताया। यह मैच शनिवार को गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। इस मैच के साथ भारत 600 टेस्ट खेलने वाली पहली एशियाई टीम और इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरी टीम बन गई है। दो मैचों की इस सीरीज़ का पहला टेस्ट 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के दिन खेला जा रहा है।

शुक्रवार को मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने कहा कि यह बहुत बड़े सम्मान और सौभाग्य की बात है। अपने देश के लिए किसी भी टेस्ट मैच में कप्तानी करना बहुत बड़ी बात होती है। ज़ाहिर है, हमारे 600वें टेस्ट मैच में देश की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान और सौभाग्य की बात है, और आज़ादी के दिन ऐसा करना हमारे लिए और भी खास है। 26 साल के गिल ने कहा कि वे अपनी कप्तानी की भूमिका में सहज हो गए हैं और कप्तान के तौर पर अपने पहले साल में टीम की तरक्की से खुश हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस भूमिका में बहुत सहज महसूस कर रहा हूँ। मुझे लगता है कि पिछले एक साल में हमने जिस तरह से तरक्की की है, वह मेरे नज़रिए से बहुत सुखद है। मुझे लगता है कि हम सही दिशा में सही कदम उठा रहे हैं।

भारत अभी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की स्टैंडिंग में पांचवें नंबर पर है; टीम ने नौ मैचों में चार जीत, चार हार और एक ड्रॉ हासिल किया है। गिल ने फाइनल में जगह बनाने की भारत की कोशिशों में श्रीलंका सीरीज़ के महत्व पर ज़ोर दिया और बताया कि श्रीलंका छठे नंबर पर है। गिल ने कहा कि ज़ाहिर है, हमारा मुख्य लक्ष्य अगले साल होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलना है। हमने इस साइकल में लगभग नौ टेस्ट खेले हैं और मुझे लगता है कि क्वालिफाई करने का अच्छा मौका पाने के लिए हमें लगभग छह या सात और मैच जीतने होंगे। इस लिहाज़ से, मुझे लगता है कि यह सीरीज़ हमारे लिए बहुत अहम है और हमने इसके लिए सही तरह से तैयारी की है।

भारत की नंबर 3 पोजीशन को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच, गिल ने देवदत्त पडिक्कल का समर्थन किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि युवा बल्लेबाज़ों को टेस्ट क्रिकेट में खुद को स्थापित करने के लिए समय दिया जाना चाहिए।

गिल ने कहा कि देवदत्त पहले भी इंडिया ए के साथ यहां आ चुके हैं और उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उनमें इस फ़ॉर्मेट में सफल होने के लिए ज़रूरी सभी कौशल और क्षमता है। प्रमुख तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति के कारण भारत के पास अपेक्षाकृत अनुभवहीन गेंदबाज़ी आक्रमण है, जिसके बारे में गिल का कहना है कि यह अन्य गेंदबाज़ों के लिए खुद को साबित करने का एक अवसर है।

उन्होंने कहा कि किसी भी टेस्ट मैच में, विकेट लेने के लिए आपको अलग-अलग चीज़ें आज़मानी पड़ती हैं क्योंकि खेल कभी-कभी थोड़ा धीमा हो सकता है। खासकर उपमहाद्वीप की पिचों पर, आपको पहले और दूसरे दिन मौके बनाने होते हैं जब खेल में ज़्यादा कुछ नहीं हो रहा होता है। आपको दबाव बनाने के तरीके खोजने होते हैं और खेल को अपने हाथ से नहीं निकलने देना होता है। रचनात्मक फ़ील्डिंग भी इसका एक हिस्सा है। बुमराह यहां नहीं हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह कुछ अन्य गेंदबाज़ों के लिए आगे आने और सीरीज़

गौतम गंभीर के नतीजे उनकी क्षमता का सबूत हैं : गैरी कर्स्टन

नई दिल्ली, 14 अगस्त । भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर इन दिनों आलोचनाओं के बीच हैं, लेकिन श्रीलंका के मौजूदा कोच गैरी कर्स्टन ने उनके समर्थन में खुलकर बात की है। भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले कर्स्टन ने गंभीर की कोचिंग क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि उनके अब तक के नतीजे खुद उनकी काबिलियत की गवाही देते हैं।

गैरी कर्स्टन ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गौतम गंभीर शानदार कोच हैं और उन्हें बड़ी सफलताएं मिली हैं। उन्होंने 2026 का टी20 विश्व कप और 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का जिक्र करते हुए कहा कि गंभीर का रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है। उन्होंने यह भी याद किया कि जब गंभीर भारतीय टीम में खिलाड़ी थे, तब उनके साथ काम करना उन्हें काफी पसंद था।

बता दें कि कर्स्टन 2008 से 2011 तक भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे थे। उनके कार्यकाल में भारत ने 2011 का एकदिवसीय विश्व कप जीता था। गंभीर उस समय भारतीय टीम के अहम बल्लेबाजों में शामिल थे और

उन्होंने फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ शानदार 97 रन की पारी खेली थी। यही वजह है कि दोनों के बीच पुराना पेशेवर रिश्ता भी रहा है।

कर्स्टन ने कहा कि गंभीर समझदार क्रिकेटर रहे हैं और उन्हें पहले से भरोसा था कि वह कोच के रूप में भी सफलता हासिल करेंगे। उन्होंने भारतीय टीम के साथ अपने तीन साल के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उस समय टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी थे और खिलाड़ियों ने उन्हें अपनी टीम का हिस्सा मानकर काम करने का मौका दिया था। श्रीलंका की जिम्मेदारी संभालने के बाद वह उसी गंभीरता

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानानंद की दूसरी जीत, वान फॉरेस्ट को दी मात

सेंट लुइस, 14 अगस्त। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप 2026 में शानदार वापसी करते हुए चौथे दौर में नीदरलैंड्स के ग्रैंडमास्टर जोरडेन वान फॉरेस्ट को हरा दिया। यह टूर्नामेंट में प्रज्ञानानंद की दूसरी जीत है और इसके साथ वह 2.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद के सामने वान फॉरेस्ट ने सिसिलियन डिफेंस का सहारा लिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने चौथी चाल में ही अपनी वजीर को सक्रिय कर दिया, जबकि वान फॉरेस्ट ने किंग साइड कैसलिंग की। मुकाबले की 14वीं चाल में वान फॉरेस्ट ने अपने वजीर के बदले हाथी और ऊंट हासिल किया। हालांकि, प्रज्ञानानंद ने अपनी चालों की गति और दबाव बनाए रखते हुए डच खिलाड़ी को लगातार मुश्किल में रखा। दोनों के बीच मुकाबला लंबा खिंचा और 71वीं चाल तक चला। वान फॉरेस्ट ने हाथी के सहारे प्रज्ञानानंद के प्यादे और वजीर के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर के लगातार दबाव के आगे उन्हें आखिरकार हार माननी पड़ी।

डार्विन टेस्ट : तंजीद के शतक और शांतो के अर्धशतक से बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया पर ली 153 रन की बढ़त

डार्विन, 14 अगस्त। तंजीद हसन तमीम के शानदार पहले टेस्ट शतक और कप्तान नजमुल हुसैन शांतो की संयमित 84 रन की पारी के दम पर बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन टेस्ट के दूसरे दिन अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने छह विकेट पर 351 रन बना लिए हैं और पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया पर 153 रन की बढ़त हासिल कर ली है। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को 198 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश ने दूसरे दिन 96/1 से आगे खेलना शुरू किया। मोमिनुल हक और तंजीद हसन ने शुरुआती सत्र में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का डटकर सामना किया। धीमी पिच पर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने लगातार हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली।

मोमिनुल के आउट होने के बाद तंजीद-शांतो ने संभाला मोर्चा : जोश हेजलवुड ने मोमिनुल हक को 49 रन पर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराकर इस

साझेदारी को तोड़ा। मोमिनुल ने 95 गेंदों का सामना किया और अर्धशतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए। इसके बाद तंजीद ने कप्तान शांतो के साथ पारी को आगे बढ़ाया। तंजीद ने लगातार आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया और फिर नाथन लियोन की गेंद पर चौका लगाकर शतक पूरा किया। तंजीद ने 197 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 101 रन बनाए। वह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बन गए। शांतो के साथ उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 93 रन जोड़े।

शांतो ने भी खेली कप्तानी पारी : तंजीद के आउट होने के बाद शांतो ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने पहले अर्धशतक पूरा किया और फिर 80 रन के आंकड़े को पार किया। मुशफिकुर रहीम के साथ उनकी 66 रन की साझेदारी ने बांग्लादेश की बढ़त को 100 रन के पार पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट पारी में बांग्लादेश की ओर से तीन 50 से अधिक रन की साझेदारियां सिर्फ चौथी बार बनीं। इससे पहले ऐसा आखिरी बार 2006 में हुआ था।

नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया की वापसी : दूसरी नई गेंद मिलने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने कुछ वापसी की। हेजलवुड ने शांतो को 84 रन पर स्टीव स्मिथ के हाथों दूसरी स्लिप में कैच कराया। इसके बाद मिशेल स्टार्क ने लिटन दास को खाता खोले बिना स्मिथ के हाथों कैच कराया।

पैट कमिंस ने मुशफिकुर रहीम को 36 रन पर आउट कर बांग्लादेश को तीसरा झटका दिया। बांग्लादेश ने 11 रन के अंदर तीन विकेट गंवाए, लेकिन तब तक टीम बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी।

मेहदी और हसन ने दिन का खेल सुरक्षित खत्म किया : मेहदी हसन मिराज और हसन महमूद ने इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करते हुए दिन का खेल सुरक्षित खत्म किया। स्टंप्स के समय मेहदी 32 रन और हसन 13 रन बनाकर नाबाद थे। दिन की आखिरी गेंद पर भी ऑस्ट्रेलिया को मौका मिला, जब मेहदी का कट शॉट गली में कैमरन ग्रीन की ओर गया, लेकिन वह कैच नहीं पकड़ सके।

वीवीएस लक्ष्मण बनेंगे बीसीसीआई के डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट? भारतीय क्रिकेट में होगा बड़ा फेरबदल!

नई दिल्ली, 14 अगस्त। भारत के पूर्व बल्लेबाज़ वीवीएस लक्ष्मण को बीसीसीआई में एक बड़ी ज़िम्मेदारी मिल सकती है, क्योंकि बोर्ड इस साल के आखिर में अपने क्रिकेट ऑपरेशन्स में बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। बीसीसीआई अहम पदों की व्यापक समीक्षा के तहत लक्ष्मण के लिए डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट का पद बनाने पर विचार कर रहा है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सीनियर पुरुष चयन समिति के चेयरमैन के तौर पर अजीत अगरकर का कार्यकाल, जो सितंबर में खत्म होने वाला है, उसे या तो जून 2027 तक बढ़ाया जा सकता है या फिर बोर्ड के भीतर चल रहे बड़े फेरबदल का हिस्सा बनाया जा सकता है।

लक्ष्मण अभी बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के हेड के तौर पर काम कर रहे हैं, जहाँ वे अलग-अलग उम्र के खिलाड़ियों के लिए हाई-परफ़ॉर्मेंस प्रोग्राम, खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन और टैलेंट

डेवलपमेंट का काम देखते हैं। डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट बनने पर उन्हें शायद ज़्यादा बड़ी एडमिनिस्ट्रेटिव और स्ट्रैटेजिक भूमिका मिल सकती है, जिससे सीनियर नेशनल टीम, सेलेक्टर, कोचिंग स्टाफ़ और सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस एक बेहतर तालमेल वाले स्ट्रक्चर के तहत जुड़ सकेंगे।

हालांकि बीसीसीआई की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सीओई के अलावा भारतीय क्रिकेट में लक्ष्मण की बढ़ती भागीदारी की वजह से ऐसी भूमिका की संभावना पर चर्चा हो रही है। जब भी सीनियर टीम का रेगुलर कोचिंग स्टाफ़ उपलब्ध नहीं रहा है, तब-तब लक्ष्मण ने अंतरिम हेड कोच की भूमिका निभाई है। हाल ही में, जब इंग्लैंड दौरे के बाद गौतम गंभीर और रेगुलर सपोर्ट स्टाफ़ को ब्रेक दिया गया था, तब लक्ष्मण ने युवा भारतीय टीम को ज़िम्बाब्वे में 3-0 से टी-20 सीरीज़ जिताई थी।

डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट के प्रस्तावित पद पर रोज़मर्रा की कोचिंग के बजाय लंबे समय की प्लानिंग पर ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। इस भूमिका में टैलेंट की पहचान की देखरेख करना, जूनियर और सीनियर टीमों के बीच तालमेल बनाए रखना, वर्कलोड मैनेजमेंट में समन्वय करना और 2027 के वनडे वर्ल्ड कप समेत बड़े आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारत की तैयारियों को आकार देने में मदद करना शामिल हो सकता है।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिपः सिंधु-लक्ष्य के सामने चुनौती, सात्विक-चिराग को बाई

नई दिल्ली, 14 अगस्त। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के 30वें संस्करण का आयोजन 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में किया जाएगा। 2009 के बाद पहली बार भारत इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल-इन पांच वर्गों में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी विश्व खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे।

17 अगस्त से शुरू होगा मुकाबला: 17 अगस्त से शुरू हो रहे प्रतियोगिता के मुकाबले सुबह से शुरू होंगे और रविवार, 23 अगस्त को खिताबी मुकाबलों के साथ चैंपियनशिप का समापन होगा।

पुरुष एकल में आयुष शेट्टी के सामने बड़ी चुनौती : भारत के आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष का सामना मौजूदा चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यू ची से होगा। वहीं, 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स वैलेंटाइन फिलिमोन के खिलाफ करेंगे। शुरुआती मुकाबला जीतने पर अगले दौर में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न से हो सकता है।

सिंधु के लिए शुरुआती दौर में आसान राह : महिला एकल में भारत की स्टार खिलाड़ी और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की सोफिया नोबल के खिलाफ करेंगी, जो विश्व रैंकिंग में 141वें स्थान पर हैं।

सिंधु को शुरुआती दौर में विश्व नंबर एक एन से यंग और मौजूदा चैंपियन अकाने यामागुची का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालांकि, ड्रॉ के अनुसार प्री-क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी से हो सकती है। क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वारदानी संभावित प्रतिद्वंद्वी हो सकती हैं।

सात्विक-चिराग को पहले दौर में बाई : पुरुष युगल में भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पहले दौर में बाई मिली है। भारतीय जोड़ी का सामना अलेक्जेंडर डन/एडम प्रिंगल (स्कॉटलैंड) और चालोएमपोन चारोनकिटामोर्न/वोरापोल थोंगसा-ंगा (थाईलैंड) की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। सात्विक-चिराग के लिए पहली बड़ी चुनौती इंडोनेशिया की 12वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी रेमंड इंद्रा और निकोलस जोआक्विन के रूप में सामने आ सकती है। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच भारतीय खिलाड़ियों की नजरें इस बार विश्व चैंपियनशिप में मजबूत प्रदर्शन और पदक पर रहेंगी।

भारत ने फीफा आसियान कप से नाम वापस लिया, ब्राजील के खिलाफ खेलेगा मैच

नई दिल्ली, 14 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के उप महासचिव एम सत्यनारायणन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने अक्टूबर में पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच को प्राथमिकता देते हुए पहले फीफा आसियान कप से नाम वापस ले लिया है।

भारत के आगामी टूर्नामेंट से हटने का मतलब यह भी है कि वह फीफा से मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता में दक्षिण-पूर्व एशिया की कुछ प्रमुख टीम के खिलाफ खेलने का मौका गंवा देगा। सत्यनारायणन ने पीटीआई से कहा, "हमने फीफा आसियान कप से नाम वापस ले लिया है क्योंकि हम ब्राजील और फीफा आसियान कप दोनों में नहीं खेल सकते।" पहली बार आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता की परिकल्पना आसियान क्षेत्र की टीमों के लिए एक नई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के रूप में की गई थी जिसमें भारत को गैर आसियान प्रतिभागियों में से एक के तौर पर

आमंत्रित किया गया था।

भारत ने शुरुआत में फीफा के इस नए टूर्नामेंट में भाग लेने का निमंत्रण स्वीकार किया था और बाद में उसे डिवीजन-एक के ग्रुप ए में इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया था। यह प्रतियोगिता 21 सितंबर से छह अक्टूबर के बीच फीफा की अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन के लिए निश्चित समय) के दौरान होनी है।

हालांकि तीन अक्टूबर को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में ब्राजील के खिलाफ भारत के मैच की प्रतिबद्धता के कारण कार्यक्रम में टकराव पैदा हो गया।

राष्ट्रीय जूनियर तैराकी 18 से भुवनेश्वर में, राजस्थान के 13 तैराक दिखाएंगे दम

जयपुर, 14 अगस्त। भुवनेश्वर में 18 से 23 अगस्त तक होने वाली राष्ट्रीय जूनियर तैराकी प्रतियोगिता में राजस्थान के 13 तैराक अलग-अलग स्पर्धाओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने शुक्रवार को यहां राजस्थान के 13 सदस्यीय दल का ऐलान किया, जिसमें सात बालक और 6 बालिका तैराक शामिल हैं। व्यास ने बताया कि प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में होगी। ग्रुप ए में 17-18 वर्ष और ग्रुप ए- में 15-16 वर्ष आयु के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

अनिल व्यास ने बताया कि 17-18 वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग में कृष्णमादित्य सिंह 50 मीटर बैकस्ट्रोक में, साहिल गुप्ता 100 और 200 मीटर बटरफ्लाई में तथा नवीन भादू 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में हिस्सा लेंगे। वहीं बालिका वर्ग में परी 200 और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में, जबकि रिदिमा सिंह 50 मीटर बटरफ्लाई और 200 मीटर फ्रीस्टाइल में चुनौती पेश करेंगी।

ग्रुप ए- में आठ तैराक : व्यास ने बताया कि 15-16 वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग में प्रखर शर्मा 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल, अधिराज सिंह 50 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर बैकस्ट्रोक, लोकेन्द्र खंगारोत 100 मीटर फ्रीस्टाइल और हिमांशु सामोता 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में उतरेंगे। वहीं बालिका वर्ग में रितिका खाटा 200 और 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले, दक्षिणा जोशी 100 और 200 मीटर बटरफ्लाई तथा 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक, विधि सनाढ्य 100 और 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक तथा हरिका अलग 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। अनिल व्यास ने राजस्थान के इन युवा तैराकों से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन और पदक की उम्मीद जताई।

सेंट एनसलम ने 9 विकेट से मुकाबला जीता

जयपुर, 14 अगस्त। जयपुर के स्थानीय सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप में सैंट एंसेल्म स्कूल अलवर व सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर के मध्य खेला गया। जिसमें सेंट एनसलम स्कूल अलवर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 68 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें अरमान ने 14 रन व आशुतोष ने 10 रनों का योगदान दिया। सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर की ओर से गेंदबाजी में तनिष अरोड़ा ने तीन विकेट ओर अहान मिश्रा व यश पुरशानी ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर 9.4 ओवर में 71/1 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें अनिरुद्ध ने 41 रन व यश शर्मा ने नाबाद 16 रन की पारी खेली। सैंट एंसेल्म स्कूल अलवर की ओर से गेंदबाजी में आशुतोष एक विकेट लिया।

राष्ट्रीय खेल नीति के सभी प्रावधानों को हॉकी राजस्थान लागू करेगी

जयपुर, 14 अगस्त । हॉकी राजस्थान की विशेष साधारण सभा की बैठक आज जयपुर की एक होटल में आयोजित की गई। जिसमें राष्ट्रीय खेल नीति 2025 के सभी प्रावधानों को लागू करने का सर्वसम्मति से निर्णय किया गया। बैठक में राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम 2025 एवं राष्ट्रीय खेल निकाय नियम 2025 के प्रावधानों को लागू किया जाएगा। इससे राजस्थान में ग्रास रूट पर खेल का विकास एवं खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। बैठक में हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष अरूण कुमार सारस्वत ने राष्ट्रीय खेल नीति 2025 में दिए गए सभी प्रावधानों की बैठक में उपस्थित सदस्यों को जानकारी देते हुए बताया कि भविष्य में राष्ट्रीय खेल नीति के प्रावधानों के अनुसार कार्य करते हुए खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने एवं जिलों में हॉकी के खेल को ग्रास रूट पर गांव एवं ढाणियों तक पहुंचाने का निर्णय सर्वसम्मति से किया गया।

शिलांग लाजोंग एफसी ने 3-3 से ड्रॉ के साथ डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली, 14 अगस्त। शिलांग लाजोंग एफसी ने यहां डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप ई के मुकाबले में लांगस्निंग एफसी के साथ 3-3 से रोमांचक ड्रॉ खेलकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। इस नतीजे से शिलांग लाजोंग सात अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रहा। लांगस्निंग एफसी ने भी शानदार जुझारूपन दिखाया और पांच अंक के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हुए अपना अभियान समाप्त किया। शिलांग लाजोंग के लिए जोआओ विटोर डी पाउला मोराइस ने दो गोल दागे। उन्होंने पहला गोल आधे घंटे से पहले और दूसरा मध्यांतर के बाद किया। एवेरब्राइटन साना ने टीम के लिए तीसरा गोल किया। दोनों ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर यह उपलब्धि हासिल की।

सरकारी कार्यालयों में 37.93 प्रतिशत अराजपत्रित कर्मचारी मिले अनुपस्थित

- राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने मसूदा में 21 कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण, तीन कार्यालयों के मुख्य द्वार पर मिले ताले

मसूदा। प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार के निर्देश पर राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने मसूदा उपखंड के विभिन्न राजकीय कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक निरीक्षण सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे दल ने कार्यालयों में कार्मिकों की उपस्थिति, उपस्थिति पंजिकाओं के संधारण और कार्यालय संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। 32 राजपत्रित में 10 और 145 अराजपत्रित में 55 अनुपस्थित-निरीक्षण के दौरान मसूदा उपखंड के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों की कुल 21 उपस्थिति पंजिकाओं का अवलोकन किया गया। इनमें 32 राजपत्रित कार्मिकों में से 10 अनुपस्थित पाए गए। यह कुल संख्या का 31.25 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार 145 अराजपत्रित कार्मिकों में से 55 कार्मिक अनुपस्थित मिले, जो 37.93 प्रतिशत है। निरीक्षण दल ने कार्यालयों में कार्मिकों की समयबद्ध उपस्थिति और उपस्थिति पंजिकाओं के संधारण की स्थिति का भी परीक्षण किया।

तीन कार्यालयों पर लटके मिले ताले-निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन व्यवस्थाओं में भी कमियां सामने आईं। वनपाल नाका, मसूदा रेंज के मुख्य द्वार पर ताला लगा मिला। इसके कारण वहां की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन नहीं किया जा सका। इसी प्रकार कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय तथा ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कार्यालय, मसूदा के मुख्य द्वार पर भी ताले मिले और संबंधित उपस्थिति पंजिकाओं की जांच नहीं हो सकी।

अनुपस्थित कार्मिकों पर होगी कार्रवाई-निरीक्षण दल की ओर से अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों के संबंध में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट उच्च स्तर पर प्रस्तुत की जाएगी। निरीक्षण का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में समयबद्ध उपस्थिति, नियमित संचालन, कार्य संस्कृति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सांवलिया जी सेठ के दरबार में 6 करोड़ 22 लाख रुपये मिले

- चौथे चरण की गिनती सोमवार को होगी

मंडफिया। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 11 अगस्त चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती शुक्रवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में तीसरे चरण में हुई। तीसरे चरण से भंडार से 06 करोड़ 22 लाख 15 हजार 100 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व दो चरणों में हुई भंडार गिनती से 18 करोड़ 57 लाख 95 हजार रुपए की नगद प्राप्त हुए थे। तीनों चरणों को मिलाकर 24 करोड़ 80 लाख 10 हजार 100 रुपए नगद प्राप्त हुए। चौथे चरण की गिनती 17 अगस्त सोमवार को होगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य मिट्ठू लाल जाट, पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, किशन लाल अहीर, हरिराम गाडरी, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, कालू लाल तेली, मनोहर लाल चोबीसा सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में रुपयों की गिनती की गई।

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक–निविदा / 2026 / 3311–13 — दिनांक : 10.08.2026

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 10.08.2026 से दिनांक 19.08.2026 सुबह 11 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 19.08.2026 को सांय 04 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/– का चालान श्डण्क्ण तैऱ् श्रंपचनतश के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2627A6903

UBN:- DLB2627GLOB17715, DLB2627GLOB17730, DLB2627GLOB17740, DLB2627GLOB17751

राज.संवाद / सी / 26 / 9849 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रतनगढ़

Telephone No. 01474-294110 — Email ID- eepwd.begun@rediffmail.com

कार्यालय अधिशाषी अभिंयता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड बेगूं

क्रमांक / निविदा/एफ-106/26-27/536 — दिनांक :-7/8/2026

Notice Inviting Bid No:- 09/2026-27

Bids For 02 Nos. Package Construction of Various Missing Link Roads/ 5054/2026-27 in Block Begun & Bhainsroadgarh Distt. Chittorgarh & 04 Nos. Package Rehabilitation of Various Non-Patchable Roads/5054/26-27 in Block Begun, Gangrar & Bhainsroadgarh Distt. Chittorgarh Procurement are Invited from interested bidders upto 6.00 PM of 31.08.2026 Other particulars of the id may be visited on the procurement portal (http:/ / eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 957.65 Lacs.

NIB CODE :- PWD2627A2106

UBN CODE :- PWD2627WSOB09364, PWD2627WSOB09367 PWD2627WSOB09369, PWD2627WSOB0971 PWD2627WSOB0974, PWD2627WSOB0976

(Ramkesh Meena) Executive Engineer PWD Dn. Begun

DIPR/C/14470/2026 — E-mail: ecpwd.begun@rediffmail.com

भीलवाड़ा को मिले 8 नए खाद्य सुरक्षा अधिकारी

भीलवाड़ा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मिलावट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान को और मजबूती मिलने जा रही है। आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान, जयपुर द्वारा जारी आदेश के तहत भीलवाड़ा जिले को 8 नव नियुक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी मिले हैं।

सीबीआई ने रेलवे के दो कर्मचारियों को रिश्वत लेते दबोचा

- 48 करोड़ के टेंडर के बिल पास करने के बदले 1.20 लाख रुपए लिए

बीकानेर । सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन ने बीकानेर में रेलवे के दो कार्मिकों को 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इनमें एक सीनियर सेक्शन ऑफिसर और एक रेलवे कर्मचारी शामिल है।

दोनों पर कोलकाता की एमआरटी कंपनी के करीब 48 करोड़ रुपए के टेंडर से जुड़े बिल पास करने और भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। ऍंच ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद गुरुवार शाम ढोला मारु होटल के पास रेलवे के कंस्ट्रक्शन विंग के ऑफिस में ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के बाद रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया, जबकि अधिकारी मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। जांच एजेंसी अब रिश्वत, बिल भुगतान और टेंडर से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार सीबीआई ने रेलवे विभाग में कार्रवाई करते हुए 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते दो रेल कार्मिकों को गिरफ्तार किया। इनमें एक सीनियर सेक्शन ऑफिसर और दूसरा रेलवे कर्मचारी है। दोनों पर कोलकाता की कंपनी के बिल पास करने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। गुरुवार शाम ढोला मारु होटल के पास स्थित रेलवे के कंस्ट्रक्शन विंग के ऑफिस में सीबीआई ने ट्रैप कार्रवाई की। मामला करीब 48 करोड़ रुपए के टेंडर से जुड़े बिलों के भुगतान और उन्हें पास करने से जुड़ा है। आरोप है कि कंपनी के बिलों के भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने और उन्हें पास करने के बदले 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। बिल भुगतान के बदले रिश्वत मांगे जाने की शिकायत सीबीआई को मिली थी। शिकायत का सत्यापन करने के बाद जांच एजेंसी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद कंपनी की ओर से रिश्वत की रकम देने पहुंचे कार्मिक के जरिए जाल बिछाया गया और दोनों रेलवे कार्मिकों को 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई की कार्रवाई के बाद रेल विभाग में हड़कंप मच गया। आला रेलवे अधिकारी इस मामले में टिप्पणी करने से इनकार कर रहे हैं। जांच एजेंसी अब रिश्वत की मांग, बिल भुगतान और करीब 48 करोड़ रुपए के टेंडर से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है।

RajCOMP Info Services Limited (RISL)

C-Block 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

RISL invites bids from the eligible bidders for RFP regarding "Procurement of IT Hardware for CMO and Application Software Development Cell (BSDC)". The details can be seen on the websites:

https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in, https://risl.rajasthan.gov.in, https://doitc.rajasthan.gov.in

UBN No. : RIS2627GLOB00048

Raj.Samwad/C/26/9931 — General Manager (Technical) & OIC (Store), RISL

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा 07/2026-27

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Lab Equipment for RAFS - 02 Project की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO. : JAU2627GLOB00077

Eproc ID : 2026_AGUJD_584194_1

राज.संवाद/सी/26/9904 — नियंत्रक (वित्त)

कार्यालय प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय सांगानेर, जयपुर

क्रमांकः-स्मार्ट क्लास/बजट /2026-27/619 — दिनांकः-10.08.2026

ई-निविदा सूचना

राजकीय महाविद्यालय सांगानेर में स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना एवं आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति के लिए ई-निविदा क्रमांक 4/2026-27/611 दिनांक 07.08.2026 पंजीकृत फर्म / संस्थाओं से दिनांक 21.08.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत सूचना एवं दस्तावेज वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अनुमानित व्ययः- राशि रू 19.60 लाख

NIB Code: ECD2627A0369

UBN : ECD2627GLOB00388

प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय सांगानेर, जयपुर

DIPR/C/14576/2026

Office of the District Literacy and Continuing Education Officer, Churu

File No. DLCEO/Churu/Literacy/2026-27/109 — Date 13.08.2026

Notice Inviting Bid (01/2026-257

Bid for TLM kit is invited from interested bidders upto 12.00 PM on 20.08.2026. Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state and notice board of this office. The Approximate maximum value of the procurement is Rs. 38.77 lac.

UBN No- LIT2627GLOB00019

DIPR/C/14804/2026 — DLCEO, CHURU

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD CITY DIVISION AJMER

No.:-EE/City/Ajmer/NIT/2026-27/D-1529 — Dated: 11.08.2026

NOTICE INVITING BID No. -19/2026-27

NIB Code No:-PWD2627A2216

Tender for 04 Nos works are invited from interested bidders up to 06:00 PM on 18h August, 2026 other particulars of the bids may be visit on the procurement portal http:// eproc.rajasthan.gov.in","http://sppp.raj.nic.in" of the State and DIPR departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 17.96 Lacs.

UBN No.:-

UBN S. No. 1:- PWD2627WSOB09871	UBN S. No. 3:- PWD2627WSOB09873
UBN S. No. 2:- PWD2627WSOB09872	UBN S. No. 4:- PWD2627WSOB99974

(Vipin Kumar Jindal) Executive Engineer, WD City Division Ajmer

DIPR/C/14877/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता बाँध खण्ड-प्रथम माही परियोजना, बाँसवाड़ा

क्रमांकःअ.अ./ बाँध - 1/ निविदा/2026/943 — दिनांकः11.08.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 03 वर्ष 2026-27

खण्ड अन्तर्गत विभिन्न कार्यों हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 18.08.2026 को प्रातः 10.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा में वर्णित कार्य से सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्तें बेवसाईट http:// eproc.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in http:// sppp.rajasthan.gov.in एवं www.water.rajasthan.gov.in/wrd पर देखी जा सकती है। उपापन हेतु UBN No. WRD2627WSOB00573, WRD2627WSOB00574, WRD2627WSOB00575 & WRD2627WSOB00576 है।

DIPR/C/14790/2026 — अधिशासी अभियन्ता

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभास्मि शशि सूर्ययोः — कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (एम.एम.-प्रथम), पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर, टेलीफैक्सः0141-2208098

निविदा-सूचना

एक्स एल पी ई केबल के लिये 33 केवी केबल टर्मीनेशन एवं जोईटिंग किट (निविदा संख्या–5089) (UBN-VVN2627GLOB00337) की खरीद हेतु 'ई–प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl द्वारा जाने जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl पर उपलब्ध कराई जाएगी।

राज.संवाद/सी/26/9900 — जेपीआर - 3214 (2026) — अधीक्षण अभियन्ता (एम. एम. प्रथम)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगर पालिका जसोल, जिला बालोतरा (राज.)

Email – npjasol2025@gmail.co — Phone No- 02988-240024

Address : माँ माजीसा मन्दिर के पास, जसोल जिला बालोतरा

क्रमांक : न.पा.ज. / विद्युत / 2026–27 / 2253 — दिनांक : 11.08.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना आमत्रंण सूचना 02/2026–27

नगर पालिका जसोल जिला बालोतरा द्वारा 01 विद्युत कार्य के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के अभियात्रिंकी विभागों द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अनुभवी संवेदकों से ई–टेण्डरिंग प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदायें ई–निविा / बोली प्रस्ताव आमंत्रित की जाती हैं।

ई–निविदा संबंधी जानकारी व अन्य शर्ते पालिका कार्यालय एवं ई–टेण्डर की आनलाइन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर UBN No. DLB2627WSRC18162 के द्वारा देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्रों को वेब साइट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता हैं।

राज.संवाद / सी / 26 / 9863 — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका जसोल

कार्यालय नगर पालिका, मण्ड़ल देवगढ़ जिला राजसमन्द राज0

क्रमांक :– न0पा0दे0 / गेराज / ई–निविदा / 02 / 2026–27 / 2137 — दिनांक :– 10.08.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना संख्या 02/2026–27

नगर पालिका देवगढ़ द्वारा निम्नांकित कार्य हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत शासी संस्थाओ में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिक फारमेन्ट में आनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :-DLB2627A6828

UBN No. :-DLB2627GLOB17459

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कुल निविदा के कार्य	01
निविदा की अनुमानित लागत	45.00 लाख
निविदा प्रकाशन की तिथि	10.08.2026 4:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	10.08.2026 4:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	17.08.2026 09:00 AM
भौतिक रूप से डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने की तिथि	17.08.2026 11:00 AM तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	17.08.2026 12:00 PM से
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in

राज.संवाद / सी / 26 / 9869 — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका देवगढ़

कलेक्टर के आफिस पर ध्वजारोहण 7.15 बजे

भीलवाड़ा। स्वतंत्रता दिवस, 2026 के अवसर पर जिले में निर्धारित कार्यक्रमानुसार विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 7 बजे जिला कलक्टर के निवास पर, प्रातः 7:15 बजे जिला कलक्टर कार्यालय में, प्रातः 7:20 बजे जिला परिषद में, प्रातः 7:30 बजे भीलवाड़ा क्लब में तथा प्रातः 7:50 बजे नगर विकास न्यास में तथा प्रातः 9:05 बजे मुख्य समारोह स्थल (पुलिस लाइन) में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्य समारोह स्थल पर ध्वजारोहण उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा करेंगे।

नवजीवन क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के खिलाफ उपभोक्ता आयोग का बड़ा फैसला

जालोर । जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जालोर के पीठासीन अधिकारी धनश्याम यादव ने नवजीवन क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड की उम्मेदाबाद शाखा को परिपक्वता राशि 1.64 लाख रूपये अदा करने का आदेश दिया।

परिवादिया कमला देवी निवासी ओटवाला ने उपभोक्ता आयोग जालोर में परिवाद पेश कर बताया कि उसने नवजीवन क्रेडिट कॉं आपरेटिव सोसायटी मे 27 मार्च 2017 को एक लाख दस हजार रूपये की एफ.डी. करवाई। जिसकी परिपक्वता राशि 27 जून 2020 को 1.64 लाख रुपये थी। परिवादिया ने एफडी की परिवक्वता राशि का भुगतान करने का कहने पर नवजीवन सोसायटी ने 1.64 लाख रूपये का चेक जारी किया गया, लेकिन चैक बैंक में प्रस्तुत करने पर खाता बंद होने के कारण चेक अनादरित होकर वापस आ गया। इसके बाद परिवादी द्वारा राशि प्राप्त करने के प्रयास किए गए, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। मामले में सोसायटी को नोटिस जारी किए गए, लेकिन वे आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद 20 फरवरी 2026 को विपक्षी पक्षों के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। आयोग के अध्यक्ष धनश्याम यादव व सदस्य निरंजन शर्मा ने उपलब्ध दस्तावेजों एवं परिवादी के शपथपत्र के आधार पर परिवाद स्वीकार करते हुए नवजीवन क्रेडिट सोसायटी को आदेश दिया कि वे 45 दिन के भीतर 1,64,000 रुपये की परिपक्वता राशि का भुगतान करें। इस राशि पर परिवाद प्रस्तुत करने की तारीख 27 जून 2022 से भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा। इसके अलावा आयोग ने मानसिक एवं आर्थिक परेशानी के लिए दस हजार रुपये तथा परिवाद व्यय के रूप में पांच हजार रुपये सहित कुल 15,000 रुपये भी 45 दिन के भीतर अदा करने के आदेश दिए हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत-श्रीगंगानगर

क्रमांक- — दिनांक :-

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2026-27

इच्छुक निविदादाताओं से सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त श्रीगंगानगर के अधीन मिसिंग लिंक एवं नॉन पेचेबल सड़को का निर्माण कार्य (मय पांच / दस वर्ष के दोष निवारण व सुधार अवधि) हेतु ऑन लाईन निविदायें दिनांक 27.08.2026 सांय 6.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। उक्त निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण राज्य सरकार के प्रोक्योरमेंट पोर्टल http:// sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http:// pwd.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। कार्य की कुल लागत 5736.16 लाख है।

कार्य का एन.आई.बी.नं.:- PWD2627A2018

यू.बी.एन नं :-

क्र.स.	यू.बी.एन नं.	क्र.स.	यू.बी.एन नं.
1	PWD2627WSOB08774	2	PWD2627WSOB08802
3	PWD2627WSOB08804	4	PWD2627WSOB08808
5	PWD2627WSOB08815	6	PWD2627WSOB09002
7	PWD2627WSOB09004	8	PWD2627WSOB09005
9	PWD2627WSOB09007	10	PWD2627WSOB09008
11	PWD2627WSOB09009	12	PWD2627WSOB09011
13	PWD2627WSOB09012	14	PWD2627WSOB09013
15	PWD2627WSOB09014	16	PWD2627WSOB09015
17	PWD2627WSOB09016	18	PWD2627WSOB09017
19	PWD2627WSOB09018	20	PWD2627WSOB09020
21	PWD2627WSOB09021	22	PWD2627WSOB09023
23	PWD2627WSOB09025	24	PWD2627WSOB09026

DIPR/C/14339/2026 — अधीक्षण अभियन्ता, सा.नि.वि. वृत्त-श्रीगंगानगर

सहायक आचार्य भर्ती विवाद समाप्त

आयोग के कड़े रुख और जवाब के बाद उच्च न्यायालय में याचिका वापस

अजमेर। महाविद्यालय शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य भर्ती-2025 से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता धर्मवीर मीणा ने अपनी रिट याचिका वापस ले ली है। जयपुर स्थित राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ में शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से अधिवक्ता एम.एफ. बेग ने विस्तृत जवाब प्रस्तुत किया। आयोग ने गलत तथ्य प्रस्तुत किए जाने के आधार पर याचिकाकर्ता के विरुद्ध जुर्माना लगाए जाने की मांग भी न्यायालय के समक्ष रखी। इसके बाद याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने याचिका वापस ले ली। आयोग के अनुसार 30 जुलाई 2026 को न्यायालय की ओर से दिए गए पूर्व अंतरिम आदेश के बाद भी भर्ती प्रक्रिया को बाधित नहीं होने दिया गया। आयोग ने सहायक आचार्य भर्ती के तहत साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों के परिणाम लगातार जारी किए और भर्ती एवं साक्षात्कार प्रक्रिया जारी रखी।

प्रभात फेरी निकाली

रेवदर । रेवदर के दौलपुरा जल जीवन मिशन के तहत जल अर्पण दिवस पर दौलपुरा गांव में प्रभात फेरी निकाली गई, जल बंधन के तहत मंत्रोच्चार से टंकी कि पूजा अर्चना कि गईं जल योजना पर रंगोली से संदेश जल के उपयोग को बताया गया सभी गाँव के लोगों द्वारा बच्चों द्वारा जनप्रतिनिधि द्वारा गणमान्य लोगों द्वारा जल संकल्प प्रतिज्ञा ली गईं जल के मितव्ययिता का संकल्प लिया गया।

पेड़ से जंगल और जंगल से अमेज़न जैसे जंगल की कल्पना की

"बीजोत्सव 2.0" का शुभारंभ

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली यूनिवर्सिटी, उदयपुर एवं हवेली परिवार ने मिलकर किया 'बीजोत्सव 2.0' का 12 अगस्त को अमृतम बाग रिजॉर्ट में शुभारंभ हुआ। अभियान का उद्देश्य सीड्स बॉल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जन-अभियान का रूप देना और अधिक से अधिक क्षेत्रों को हराभरा बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक वन संरक्षक तरुण मीणा ने शिरकत की। इस अवसर पर गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की डीन डॉ. संगीता गुप्ता भी उपस्थित रहीं। अभियान की थीम 'एक वृक्ष, अनेक जीवन' रखी गई है। इसके तहत फलदार एवं छायादार पेड़ों के बीजों से तैयार सीड्स बॉल के माध्यम से विरान एवं बंजर भूमि को हराभरा बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया। सीड्स बॉल के माध्यम से प्राकृतिक रूप से पौधों के विकास को बढ़ावा देने की इस पहल को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की योजना है।

बीजोत्सव 2.0 के तहत 13 अगस्त को रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर पन्नाधाय क्लब में भी पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब सदस्यों को सीड्स बॉल के महत्व, पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने और हरित वातावरण के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। गीतांजली हॉस्पिटल के हेड-मार्केटिंग कल्पेश चन्द रजबार ने कहा, 'मैं सभी से अपील करता हूं कि इस महत्वपूर्ण पहल में एकजुट होकर आगे आएं और अपने आसपास के वातावरण को हराभरा बनाने में योगदान दें। एक छोटी-सी सीड बॉल भी आगे चलकर एक पेड़ का रूप ले सकती है और ऐसी हजारों सीड बॉल मिलकर बंजर भूमि को हरे-भरे जंगल में बदल सकती हैं। आइए, हम सभी मिलकर आज एक छोटा कदम उठाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वस्थ भविष्य का निर्माण करें।'

कार्यक्रम में हवेली परिवार से प्रद्युम्न सिंह राठौड़, भानु प्रताप सिंह, राजेश कुमार माली, जयराज सिंह, आयुष लोढ़ा एवं संजय नागदा तथा रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर पन्नाधाय से अरुण बागडिया-जिला गवर्नर 2026-27, निर्मल सिंघवी पूर्व जिला गवर्नर एवं दीपक सुखाडिया निर्वाचित जिला गवर्नर सहित अनेक गणमान्य अतिथियों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि बीजोत्सव 2.0 को स्कूलों, कॉलेजों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूक किया जा सके।

गीतांजली यूनिवर्सिटी, उदयपुर एवं हवेली परिवार ने मिलकर 'बीजोत्सव 2.0' का शुभारंभ किया।

कार्यालय नगर पालिका अरनोद जिला–प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक :–न.पा.अरनोद / निर्माण / 2026–27 / 875 — दिनांक: 10.08.2026

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या: 07/2026–27

नगर पालिका अरनोद द्वारा नगर पालिका एवं राजस्थान सरकार के समूचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के सवेंदकों के समकक्ष हो उनसें निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा में कुल कार्य	8
निविदा की कुल लागत	154.8 लाख
निविदा की धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत,नगरपालिका/परिषद पंजीकृत संवेदक ½ प्रतिशत।
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	दि 10.08.2026 प्रातः 10.00 बजे से दि 16.08.2026 सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	दि 10.08.2026 से 16.08.2026 सांय 6.00 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांडड्राफ्ट अथवा बैकर चैक कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	दि 17.08.2026 प्रातः 11:00 बजे से दोप. 02:00 बजे तक
ऑनलाईन Technical & Financial Bid निविदा खोलने की दिनांक	दि 17.08.2026 सांयः 04:00बजे

UBIN NO- (1)DLB2627WSOB17604 (2)DLB2627WSOB17605 (3)DLB2627WSOB17606 (4)DLB2627WSOB17608 (5)DLB2627WSOB17609 (6)DLB2627WSOB17613 (7)DLB2627WSOB17615 (8)DLB2627WSOB17617

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

राज.संवाद / सी / 26 / 9844 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका अरनोद

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर–302004

क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2026-27/24-25 — दिनांक : 14.08.2026

पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2026-27/24-25

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई–बिड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमन्त्रित की जाती है।

S. N.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In Lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No.
1	24	Development and maintenance of Nursery (Shadenet) in Kanak Bhawan, Central Park for 3 years maintenance. UBN No.: JDA2627WSOB00287	10.09	14.08.2026 / 20.08.2026	20.08.26	143/2026-27
2	25	Development and maintenance of Nursery (Shadenet) in Jawahar Circle for 3 years maintenance. UBN No.: JDA2627WSOB00288	10.09	14.08.2026 / 20.08.2026	20.08.26	117/2026-27

नोट:

(1) बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।

(2) बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण–पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

(3) बिड से सम्बन्धित शर्ते वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय, कनक भवन, सैन्ट्रल पार्क में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/9982 — वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सीमा प्रहरियों से संवाद किया व तिरंगा यात्रा में शामिल हुए

स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने अनूपगढ़ और सादुल शहर का दौरा किया

श्रीगंगानगर/जयपुर, (निसं), 14 अगस्त। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अनूपगढ़ के 2 बीएनएम पहुंचकर, बीएसएफ चौकी की बॉर्डर आउटपोस्ट एवं सैन्य हथियारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा जवानों से संवाद किया। सादुलशहर में देशभक्ति के नारों की गूंज के बीच हाथ में तिरंगा लेकर मुख्यमंत्री अंबेडकर सर्किल से अरूट चौक तक तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

जवानों के साथ संवाद में उन्होंने कहा कि 'जीवन पर्यन्त कर्तव्य' के ध्येय

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीएसएफ की बॉर्डर आउट पोस्ट तथा सैन्य हथियारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने चूनावढ़ में मिल्क चिलिंग प्लांट की घोषणा की तथा सादुल शहर में उप जिला चिकित्सालय के नवीन भवन का शिलांयास किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सादुलशहर में अंबेडकर सर्किल से अरूट चौक तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में हाथ में तिरंगा लेकर शामिल हुए।

वाक्य को सार्थक करते हुए बीएसएफ त्याग, शौर्य, साहस एवं समर्पण से देश की सुरक्षा और संप्रभुता को और मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बीएसएफ के जवानों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं तथा कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया गया है। इससे सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री ने 23वीं वाहिनी बीएसएफ परिसर में पौधारोपण भी किया।

सादुलपुर में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्राओं में नागरिकों का जोश और जुनून इस बात का प्रमाण है कि तिरंगा हमारे दिलों में बसता है। साथ ही, यह हमारे गौरव और राष्ट्रीय चेतना की विरासत और पहचान है, जो हमें स्वतंत्रता और उससे जुड़े इतिहास को याद दिलाता है। जनसभा में मुख्यमंत्री ने सादुलशहर के चूनावढ़ में मिल्क चिलिंग प्लांट की घोषणा की। उन्होंने सादुलशहर में ही राजकीय उप जिला चिकित्सालय के नवीन भवन का शिलान्यास किया। तिरंगा यात्रा में केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, विधायक गुरवीर सिंह सहित, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

राष्ट्रपति के संबोधन से पहले वंदे मातरम बजाया गया

नई दिल्ली, 14 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को विद्यार्थियों को देश के भविष्य का निर्माता बताते हुए सार्वजनिक परीक्षाओं को पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के लिए व्यापक सुधारों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर पूरी

- **ऐसा पहली बार हुआ है कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति के भाषण से पहले वंदे मातरम बजाया गया और उसके बाद जन गण मन बजाया गया।**

तरह अंकुश लगे और युवाओं को अपनी प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़ ने का निष्पक्ष अवसर मिले।

राष्ट्रपति ने देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन में 2047 तक विकसित भारत के निर्माण, युवा शक्ति, महिला सशक्तिकरण, गरीबों और वंचितों के कल्याण, डिजिटल एवं भौतिक बुनियादी ढ ांचे, आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा समेत देश की विकास यात्रा के विभिन्न पहलुओं को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेशवासियों की एकजुटता, परिश्रम और संकल्प शक्ति से राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

'मामला मेरे और छात्रों के बीच है, बीसीआई को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं'

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नालसर युनिवर्सिटी (नैशनल लॉ युनिवर्सिटी) के छात्रों से जुड़े विवाद में बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के हस्तक्षेप की आलोचना की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के प्रस्ताव को लेकर हैदराबाद की नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के छात्रों से जुड़े विवाद में बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के हस्तक्षेप पर असहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बीसीआई की कार्रवाई को बिल्कुल अनुचित बताया और निर्देश दिया कि छात्रों या शिक्षकों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। कोर्ट ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि बीसीआई ने नालसर के 2026 के स्नातकों का अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण रोकने वाला अपना पत्र वापस ले लिया है।

- **सीजेआई की खंडपीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमालया बागची एवं वी मोहना शामिल थे, ने बी.सी.आई. को निर्देश दिया कि छात्रों पर कोई दंडात्मक कार्यवाही न की जाए। साथ ही बीसीआई को जवाबी शपथ पत्र देने को भी कहा।**
- **ज्ञातव्य है कि नालसर युनिवर्सिटी के छात्रों ने दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को नहीं बुलाने का आग्रह किया था, इस पर बीसीआई ने सभी छात्रों के बार काउन्सिल में पंजीकरण पर रोक लगा दी थी, लेकिन भारी विरोध के बाद बीसीआई ने यह आदेश वापस ले लिया।**

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, "स्वाभाविक रूप से, यह बिल्कुल अनुचित है। यह छात्रों और मेरे बीच बातचीत का मामला है। वे इस मुद्दे को उठाने वाले कौन होते हैं? यह पूरी तरह अनुचित है। अपने छात्र जीवन में, मैं भी छात्र गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा हूं। अगर मान भी लें कि वे गलत हैं, तब भी उन्हें विरोध करने का अधिकार है। बीसीआई का इसमें कोई काम नहीं है।"

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों द्वारा व्यक्त किए गए मतभेद उनके पेशेवर करियर में बाधा नहीं बनने चाहिए। उन्होंने कहा, "युवा अवस्था में अगर कोई गलत बात कहता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसे विरोध करने का अधिकार नहीं है। कृपया सभी छात्रों से कहें कि वे पंजीकरण कराएं, सुप्रीम कोर्ट बार में शामिल हों। हम उन्हें कानूनी सहायता के मामलों के लिए पैनल में शामिल करेंगे और उन्हें कानूनी सहायता का काम करने दें। उन सभी लोगों को यही उचित जवाब होगा, जिन्होंने उनके पेशेवर करियर में बाधा डालने की कोशिश की।"

ये टिप्पणियां तब आईं, जब वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया और सवाल उठाया कि विश्वविद्यालय के भीतर चल रहे मामले में बीसीआई को हस्तक्षेप करने का अधिकार कैसे है।

परमेश्वर ने कहा, विश्वविद्यालय में क्या हो रहा है, इससे बीसीआई का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने केरल से बीसीआई के एक सदस्य का भी जिक्र किया, तथा, उनके अनुसार, बीसीआई के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा द्वारा जारी किए गए पत्र की उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि बीसीआई ने गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को दो पत्र जारी किए थे। इनमें एक शाम 5 बजे और दूसरा शाम 7 बजे जारी किया गया था।

सुनवाई के दौरान बीसीआई की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया कि विवादित पत्र अब वापस ले लिया गया है।

इसके बावजूद, कोर्ट ने बीसीआई को नोटिस जारी किया, जिसे उसके वकील ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने बीसीआई से दो सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा।

पूर्व टीएमसी विधायक को भीड़ ने थाने के बाहर पीटा

कोलकाता, 14 अगस्त। कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में हुए दुष्कर्म-हत्या काण्ड की पीड़िता की कथित जल्दबाजी में अंत्येष्टि का मामला फिर गरमा गया है। मामले में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष पर शुक्रवार को उत्तर 24 परगना जिले में भीड़ ने हमला कर दिया। पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बावजूद लोगों ने उन्हें लात-घूंसों से पीटा तथा जूते, अंडे और कीचड़ भी फेंका। घोष को एक दिन पहले ओडिशा से गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने तत्कालीन विधायक के तौर पर पीड़िता के शव की जल्दबाजी में अंत्येष्टि कराने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया। जानकारी के अनुसार, घोष को खड़दह पुलिस थाने से बैरकपुर उपमंडलीय अदालत ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बाहर जमा भीड़ ने उन्हें घेर लिया।

दिल्ली हाई कोर्ट सहित 5 जगहों को बम से उड़ाने की धमकी

पाँचों स्थानों की गहन जाँच-पड़ताल की जा रही है, हालांकि, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, पर निगरानी बढ़ा दी गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। हाई कोर्ट प्रशासन ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया है और मामले की आगे जांच की जा रही है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से एक दिन पहले, दिल्ली हाई कोर्ट समेत, राष्ट्रीय राजधानी में पांच स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

डीएफएस के अनुसार, जामनगर हाउस, झंडेवालान फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स, साकेत स्थित जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का टर्मिनल-3 और दिल्ली कैंट स्थित एसडीएम कार्यालय को लेकर बम विस्फोट की धमकी वाले फोन कॉल प्राप्त हुए।

पांचों स्थानों पर दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि अब तक की गई जांच में कोई संदिग्ध वस्तु या सामग्री नहीं मिली है।

ताजा धमकियां दिल्ली के मेयर कार्यालय को 3 अगस्त को मिले उस ईमेल के कुछ दिनों बाद आई हैं, जिसमें 15 अगस्त को लाल किले में कई बम विस्फोट किए जाने की चेतावनी दी गई थी। इस ईमेल के बाद दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने ऐतिहासिक लाल किले के आसपास व्यापक सुरक्षा अभियान शुरू किया था।

मेयर कार्यालय को धमकी मिलने के बाद, उसने दिल्ली पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों को इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि इसके तुरंत बाद, लाल किले में पुलिसकर्मियों, बम निरोधक दस्तों और अन्य सुरक्षा इकाइयों को तैनात किया गया। उन्होंने

- **दिल्ली हाई कोर्ट के अलावा, जाम नगर हाउस, झंडेवालान फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्प्लैक्स, साकेत का डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट कार्यालय, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 और दिल्ली कैंट के एसडीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।**
- **इससे पहले 3 अगस्त को भी धमकी भरा ई-मेल आया था। दिल्ली पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों ने बम निरोधक दस्तों व अन्य सुरक्षा इकाइयों को तैनात किया है।**

परिसर की व्यापक तलाशी लेने के साथ-साथ, पूरे क्षेत्र को सैनिटाइज किया।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, इसके बाद इलाके की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई तथा मामले की जांच शुरू की गई।

इससे पहले 11 जुलाई को लाल किले को निशाना बनाकर दी गई एक अलग बम धमकी के बाद भी बड़े पैमाने पर सुरक्षा अभियान चलाया गया था। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले तथा उसके आसपास के इलाके की विस्तृत तलाशी ली थी। बाद में इस धमकी को फर्ज़ी पाया गया।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, जुलाई में मिली धमकी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में किए गए एक फोन कॉल के जरिए दी गई थी। कॉल करने वाले ने कथित तौर पर ऐतिहासिक लाल किले को बम से उड़ाने की बात कही थी। मुंबई पुलिस ने तत्काल यह सूचना दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद उत्तर जिला पुलिस को सतर्क किया गया और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।

गहन तलाशी लेने के बाद पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली और धमकी को फर्ज़ी घोषित कर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार, 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करने वाले हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है और इसके मद्देनज़र राजधानी में व्यापक यातायात एवं आवागमन प्रतिबंध लागू किए जाएंगे।

ब्रिक्स समिट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता के तहत, इस वर्ष के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस बैठक में प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। सम्मेलन में सहयोग, व्यापार, सुरक्षा और वैश्विक विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। यह यात्रा क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर भारत और ईरान के बीच बातचीत को और मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

भारत इस वर्ष "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" विषय के तहत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 78 वीरता पुरस्कार घोषित किए

नई दिल्ली, 14 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रक्षा बलों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए 78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी, जिनमें 13 मरणोपरांत दिए जाएंगे। इन पुरस्कारों में नौ कीर्ति चक्र, 19 शौर्य चक्र, पांच बार टू सेना मेडल (वीरता) और 36 सेना मेडल (वीरता) शामिल हैं। कीर्ति चक्र, अशोक चक्र के बाद भारत का शांति के समय दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। शौर्य चक्र शांति के समय दिया जाने वाला तीसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है।

- **13 वीरता पुरस्कार मरणोपरांत दिए जाएंगे।**

रेलवे ने यात्रियों के साथ 168 करोड़ रूपए का फर्ज़ीवाड़ा किया

भारत के कंट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे ने यात्रियों से उन ट्रेनों में भी सुपर फास्ट सरचार्ज वसूला जो निर्धारित गतिमानकों को पूरा नहीं करती हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कन्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया-सीएजी) की एक कड़ी ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारतीय रेलवे ने उन ट्रेनों में भी सुपरफास्ट सरचार्ज वसूला, जो निर्धारित गति मानकों को पूरा नहीं करती थीं। इस तरह रेलवे ने यात्रियों से करीब 168 करोड़ की अतिरिक्त राशि वसूल की।

सीएजी की नवीनतम ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, यह अनियमित वसूली अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच हुई और इसमें 190 से अधिक ट्रेनें शामिल थीं।

रेलवे के नियमों के मुताबिक, किसी ट्रेन को सुपरफास्ट ट्रेन की श्रेणी में रखने और उस पर सुपरफास्ट सरचार्ज लगाने के लिए उसकी औसत गति अप और डाउन- दोनों दिशाओं में कम से कम 55 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए।

औसत गति की गणना ट्रेन द्वारा तय की गई अंतिम स्टेशन से अंतिम स्टेशन तक की दूरी और यात्रा में लगे कुल समय के आधार पर की जाती है।

रेलवे द्वारा इस विसंगति को स्वीकार किए जाने के बावजूद, सीएजी को हैरानी हुई कि ट्रेनों में सुपरफास्ट सरचार्ज की वसूली जारी रही।

- **सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, यह वसूली अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच 190 ट्रेनों में की गई। सीएजी ने हैरानी जताई कि रेलवे ने इस गड़बड़ी को स्वीकार किया, पर सुपरफास्ट सरचार्ज की वसूली बंद नहीं की।**
- **सीएजी ने बताया, 190 ट्रेनों में से 100 ट्रेनें सुपरफास्ट के मानक को पूरा नहीं कर रही थीं, फिर भी इनके यात्रियों से सुपरफास्ट सरचार्ज वसूला गया।**

सीएजी के अनुसार, अगस्त 2024 में यह मामला रेलवे के समक्ष उठाया गया था। इसके बाद रेलवे ने ऑडिट की आपत्तियों को स्वीकार करते हुए ऑडिटर को बताया कि सुधारात्मक कदमों पर विचार किया जा रहा है।

हालांकि, "इंटीग्रेटेड कोच मैनेजमेंट सिस्टम" से प्राप्त आंकड़ों की बाद में की गई जाँच में सामने आया कि ऑडिट में चिन्हित 190 ट्रेनों में से 100 ट्रेनें मार्च 2026 तक भी 55 किलोमीटर प्रति घंटे की निर्धारित सीमा से कम गति पर चल रही थीं।

सीएजी ने कहा कि इन ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों से इसके बावजूद सुपरफास्ट सरचार्ज वसूला जाता रहा, जबकि नवंबर 2025 में रेल मंत्रालय ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए थे।

ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, सुपरफास्ट सरचार्ज की लगातार वसूली से संकेत मिलता है कि संबंधित रेलवे ज़ोनों द्वारा मंत्रालय के निर्देशों को पूरी तरह लागू नहीं किया गया।

ऑडिटर ने रेलवे से ट्रेनों के समय-सारिणी की समीक्षा और उसमें आवश्यक संशोधन करने को कहा है, ताकि सुपरफास्ट ट्रेन का दर्जा उसकी वास्तविक परिचालन गति के अनुरूप हो।

सीएजी ने सिफारिश की है कि केवल निर्धारित गति मानकों को पूरा करने वाली ट्रेनों को ही सुपरफास्ट श्रेणी में रखा जाए और उनसे अतिरिक्त सुपरफास्ट सरचार्ज वसूला जाए।

इन निष्कर्षों ने रेलवे की किराया निर्धारण व्यवस्था को लागू करने के तरीके और यह सुनिश्चित करने की प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं कि यात्रियों से अतिरिक्त किराया तभी लिया जाए, जब संबंधित ट्रेन निर्धारित सेवा मानकों को वास्तव में पूरा करती हो।

बैंकाक हवाई अड्डे पर 200 भारतीय फंसे

नई दिल्ली, 14 अगस्त। थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक में एयर इंडिया की फ्लाइट से भारत लौट रहे करीब 200 यात्री लंबे इंतजार में फंस गए हैं। यात्रियों के अनुसार, फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पहले उन्हें विमान में बैठाए रखा गया, फिर एयरपोर्ट से होटल भेजा गया। अगले दिन दोबारा एयरपोर्ट बुलाया गया, लेकिन उड़ान का समय लगातार बदलता रहा।

यात्रियों का कहना है कि बैंकॉक एयरपोर्ट पर कई घंटों तक इंतजार करने के बाद भी उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है।

कभी फ्लाइट को दो घंटे बाद उड़ाने की बात कही जाती है तो कभी चार घंटे का नया समय बताया जाता है। इस वजह से यात्रियों की परेशानी लगातार बढ़ ती जा रही है। कुछ यात्रियों का आरोप है कि एयरलाइन की ओर से उन्हें लगातार सिर्फ तकनीकी समस्या की जानकारी दी जा रही है जबकि दूसरी फ्लाइट की व्यवस्था को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई।

'चीन ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल और विभिन्न सामुदायिक संगठनों की एक तथ्य-जांच टीम (फैक्ट फाइन्डिंग टीम) ने भी उठाया था।

सरकार और सुरक्षा प्रतिष्ठान ने नई घुसपैठ के मुख्य आरोपों को खारिज कर दिया है। भारतीय सेना ने ताक्सिंग क्षेत्र में नए चीनी शिविर बनाए जाने और हाल में चीनी सैनिकों के प्रवेश की खबरों को गलत और निराधार बताया है।

मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकन जहाजों के नाविकों की मानसिक स्थिति अति गंभीर

कुछ नाविकों ने तो समुद्र में कूद कर आत्महत्या तक करने की कोशिश की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त। अमेरिका ने अपने प्रशांत क्षेत्र में तैनात विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन का रुख मध्य-पूर्व की ओर कर दिया है। यह घटनाक्रम लंबे समय से समुद्र में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन पर तैनात कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और आपूर्ति संबंधी समस्याओं की खबरों के बीच सामने आया है। अब तक अब्राहम लिंकन ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध अभियान में सहायता कर रहा था।

नौसेना के एक बयान के अनुसार, यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन पिछले सप्ताह वियतनाम के दा नांग बंदरगाह से रवाना हुआ था। इसके बाद यह विमानवाहक पोत एक क्रूज़र और एक विध्वंसक पोत के साथ सिंगापुर स्ट्रेट से गुजरते हुए देखा गया।

एसोसिएटेड प्रेस ने नौसेना के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि जॉर्ज वॉशिंगटन मलक्का स्ट्रेट में था, जो प्रशांत और हिंद महासागर को जोड़ता है। अमेरिका ने इस विमानवाहक पोत को हिंद महासागर की ओर बढ़ने के लिए निर्धारित कर दिया है।

यह घटनाक्रम वॉल स्ट्रीट जर्नल की उस रिपोर्ट के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया था कि मध्य-पूर्व में फिलहाल तैनात दो विमानवाहक पोतों में से एक अब्राहम लिंकन की जगह लेगा।

- **यही वजह है कि अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में होर्मुज़ में 260 दिनों से तैनात युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन की जगह यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन को तैनात करने का निर्णय लिया है।**
- **युद्ध पोत लिंकन पर मौजूद चालक दल और नौ सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अमेरिकन सांसदों व सैनिकों के परिवारों ने गंभीर चिंता जताई है।**
- **रिपोर्ट से पता चला है कि जहाज पर बुनियादी सुविधाओं, भोजन, पानी, शौचालय आदि में भारी कमी आई है तथा यहाँ डाक सेवा भी बाधित है, हालांकि अमेरिका के रक्षा मंत्री ने इसे गलत तरीके से पेश खबर बताया।**

लिंकन पर तैनात सैनिकों के मनोबल को लेकर चिंता ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका का होर्मुज़ स्ट्रेट पर नियंत्रण है और वह इसे अपने नियंत्रण में बनाए रखेगा।

आमतौर पर नौसेना की तैनाती छह से नौ महीने तक होती है, लेकिन युद्ध के समय इसे बढ़ाया जा सकता है। लेकिन लिंकन 260 दिनों से समुद्र में है, जो आधुनिक इतिहास में किसी विमानवाहक पोत की सबसे लंबी तैनातियों में से एक है।

जहाज पर तैनात सैनिकों के बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य के संकट को लेकर, सैनिकों के परिवारों और अमेरिकी सांसदों ने चिंता जताई है। रिपोर्टों के मुताबिक, कई सैन्यकर्मियों ने जहाज से समुद्र में कूदने की कोशिश तक की है।

लिंकन को मूल रूप से 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो से रवाना किया गया था और यह फरवरी 2026 में ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने से पहले जनवरी 2026 में मध्य-पूर्व पहुंचा था।

अमेरिकी नौसेना ने स्वीकार किया कि संघर्ष के कारण ऐसा अत्यधिक चुनौतीपूर्ण वातावरण पैदा हो गया, जहां मध्य-पूर्व में पारंपरिक आपूर्ति केन्द्र युद्धक गतिविधियों के कारण बाधित हो गए। इसके चलते विमानवाहक पोत पर जरूरी सामान की कमी और डाक व्यवस्था प्रभावित हुई।

नौसेना ने एक बयान में कहा, नेतृत्व ने मिशन के लिए जरूरी आपूर्ति को प्राथमिकता दी-सबसे पहले भोजन, फिर स्वच्छता संबंधी सामान और उसके बाद डाक। नौसेना ने यह भी आश्वासन दिया कि जहाज पर मौजूद नाविकों को अब साफ पानी और स्वास्थ्यवर्धक भोजन के विकल्प उपलब्ध हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लिंकन पर खराब परिस्थितियों की खबरों को खारिज करते हुए उन्हें "पूरी तरह गलत तरीके से पेश की गई खबर" बताया।

पनामा यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हर जहाज, हर चालक दल और हर कप्तान को हर समय वह सब कुछ मिले, जो हम उन्हें उपलब्ध करा सकते हैं। कुछ तैनातियां दूसरों से लंबी होती हैं और मैं उन नाविकों के प्रति किसी से भी अधिक सम्मान और आभार रखता हूं। वे खुले समुद्र में कठिन परिस्थितियों में, कम बंदरगाह पड़ावों के साथ जो काम कर रहे हैं, वह अविश्वसनीय है।

उनकी यह टिप्पणी दो सैन्य मामलों पर केन्द्रित मीडिया संस्थानों-नेवी टाइम्स और स्टार्स एंड स्ट्राइप्स की उन रिपोर्टों के बाद आई, जिनमें 5,000 सैनिकों वाले इस विमानवाहक पोत पर आत्महत्या के प्रयासों और गिरते मनोबल का उल्लेख किया गया था। लिंकन नवंबर 2025 से लगातार समुद्र में तैनात है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

चौमूं में डॉ. सतीश पुनिया ने कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुनाव जीतने की रणनीति साझा की

- पूर्ण निष्ठा से कार्य करने से सफलता संभव - राव राजेन्द्र सिंह
- संगठन के बिना सत्ता तक पहुँचना मुश्किल - श्रवण सिंह बगड़ी

चौमूं में भाजपा जयपुर देहात उत्तर की संगठनात्मक बैठक संपन्न।

चौमूं / कालाडेरा(निसं)। शुक्रवार को चौमूं शहर से गुजरने वाले एन एच 52 पर स्थित होटल आर.चंद्रा रिसॉर्ट, चौमूं में भारतीय जनता पार्टी जयपुर देहात उत्तर की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक एवं आगामी स्थानीय निकाय चुनाव बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी निकाय एवं पंचायतीराज चुनावों को लेकर रणनीति, वार्ड-बूथ प्रबंधन और संगठन की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संगठन हमारी सबसे बड़ी ताकत है। पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करें और राज्य व केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों व योजनाओं को अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास करें।

संभाग प्रभारी, जयपुर संभाग एवं प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी ने कहा कि "निकाय व पंचायतीराज चुनाव में भाजपा को विजयी बनाएं। संगठन के बिना सत्ता तक पहुँचना मुश्किल है।" उन्होंने सर्वप्रथम सभी वार्डों के प्रभारी व संयोजक जिला स्तर पर बनाने तथा चुनाव के लिए संयोजक व सह-संयोजकों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए। साथ ही विधानसभा क्षेत्र चौमूं में वार्ड संयोजक सह संयोजक, वार्ड प्रभारी सहप्रभारी का कार्य पूर्ण होने पर तारीफ की। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पुनिया ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए चुनाव जीतने की रणनीति साझा की और चुनाव कैसे जीता जाए पर मार्गदर्शन दिया। जयपुर जिला उत्तर जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की तथा सांगठनिक विषयों पर प्रकाश डाला। पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित ने मण्डल अध्यक्षों का परिचय कराया एवं बूथों की कार्य स्थिति व जानकारी प्रस्तुत की।

पावटा में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से क्षेत्र में पसरा कचरा

पावटा(निसं)। पांच साल की संविदा भर्ती के विरोध में वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारियों का आंदोलन लगातार जारी रहने से अब पालिका क्षेत्र की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आ रही है। सड़कों से लेकर बाजारों, गलियों और वार्डों तक जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। नियमित उठाव नहीं होने से डस्टबिन कचरे से पूरी तरह भर चुके हैं और कचरा अब उनके बाहर तक फैल गया है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि कूड़े से भरे डस्टबिनों में मवेशी मुंह मारते नजर आ रहे हैं, जिससे कचरा सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में बिखर रहा है। कई स्थानों पर कचरे के ढेर से उठती तेज दुर्गंध के कारण राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में जगह-जगह जमा कचरे और उसमें जमा हो रहे गंदे पानी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय तक कचरा पड़ा रहने से मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ रहा है तथा संक्रमण और बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। कचरे के ढेरों के आसपास से गुजरने वाले लोगों को मुंह पर कपड़ा रखकर निकलना पड़ रहा है।वाल्मीकि समाज अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत है। सफाई व्यवस्था प्रभावित होने का सीधा असर अब आमजन पर दिखाई देने लगा है। पालिका क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पटरी से उतरने के बावजूद कचरे के वैकल्पिक निस्तारण की पर्याप्त व्यवस्था नजर नहीं आने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं पालिका अधिकारियों से मांग की है कि आंदोलन का समाधान निकालने के साथ-साथ आमजन के स्वास्थ्य को देखते हुए तत्काल वैकल्पिक सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ।

50 हजार नकदी व परचून का सामान लेकर चोर फरार

टोंक(निसं)। अलीगढ़ के अम्बेडकर सर्किल स्थित एक नमकीन व अन्य सामान के गोदाम में चोरी की घटना होने के बाद हडकम्प मच गया। चोरी के दौरान अज्ञात चोरो ने छत के रास्ते गोदाम में दाखिल हुए और गल्ले में रखे लगभग 50 हजार रुपये के सिक्के, नकदी और परचून का सामान लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित व्यापारी ने अलीगढ़ थाना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित व्यापारी दीपक कुमार जैन ने बताया कि अम्बेडकर सर्किल स्थित उनका गोदाम/दुकान नमकीन, बिस्कुट और अन्य परचून सामग्री के व्यापार के लिए उपयोग होता है। जहां चोर गुरुवार रात्रि को गोदाम की छत के रास्ते भीतर घुसकर घटना को अंजाम दिया। जिसकी सूचना शुक्रवार सुबह मालिक के पहुचने पर दुकान का ताला खोला, तो अंदर सामान बिखरा हुआ और अव्यवस्थित मिला।

विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने निरीक्षण किया

किशनगढ़बास(निसं)। शुक्रवार दोपहर हुई करीब 30 मिनट की बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की बदहाली सामने ला दी। गंज रोड और मुख्य बाजार की सड़कें पानी से लबालब हो गईं। नालों का गंदा और बदबूदार पानी सड़कों पर बहने लगा, जिससे महिलाओं, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव की स्थिति जिला न्यायालय परिसर तक पहुंच गई, जहां 15 अगस्त के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियां चल रही हैं। स्थिति का जायजा लेने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी स्वयं न्यायालय परिसर से बाहर निकले। उनके साथ पीएलवी सूरजभान भी मौजूद रहे। न्यायिक अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से समस्या की जानकारी ली।

अजीत कुड़ी ने न्यायालय की दीवार से लगे नाले का निरीक्षण करने के बाद गंज रोड और मुख्य बाजार का दौरा किया। उन्होंने दुकानदारों एवं आमजन से जलभराव की स्थिति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान दुकानों के नीचे बने नालों और उनमें मौजूद अवरोधों को भी देखा गया। इसके बाद वे सहकारी गोदाम के पीछे स्थित जोहड़ तक पहुंचे। उन्होंने गंज रोड, न्यायालय गेट के सामने बने नाले तथा मुख्य बाजार में दुकानों के नीचे से होकर जोहड़ तक पहुंचने वाले पानी के रास्ते की स्थिति का निरीक्षण किया।

टोंक में वकीलों का प्रदर्शन

टोंक(निसं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की कार्यप्रणाली में अनियमितता का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष विकास लोदी के नेतृत्व में वकीलों ने तालाबंदी कर प्रदर्शन किया, साथ ही 21 अगस्त तक जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का कार्य बहिष्कार किया है। जिला अभिभाषक संघ टोंक के सदस्यों ने ज्ञापन में उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की कार्य प्रणाली में अनियमितता की शिकायत उच्च अधिकारियों से की है। पत्र में आयोग की काफी अधिक संख्या में परिवादों के लम्बित होने और उन परिवादों में आवश्यक कानूनी कार्यवाही नहीं होना तथा आयोग की एक मात्र सदस्या ने कम्पनियों एवं विभागों से मिलीभगत करके आयोग ने जारी निर्णयों पर अपने साइन नहीं करके अलग से टिप्पणियां करने के आरोप लगाए है। जिससे समय पर फाइलों में निर्णय नहीं हो पा रहा है, वहीं फाइल राज्य आयोग को भेजी जा रही है।

पावटा के भूरी भडाज में 120 टन अवैध बजरी जब्त की

पावटा(निसं)। तहसील पावटा के राजस्व ग्राम भूरीभडाज में चारागाह भूमि पर अवैध खनन और बजरी के अवैध स्टॉक के खिलाफ खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 120 टन अवैध बजरी का स्टॉक जब्त किया। वहीं अवैध स्टॉक करने वालों के खिलाफ पुलिस थाने में एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है। सहायक खनि अभियन्ता कोटपूतली-बहरोड़ अमीचंद दुहारिया ने बताया कि 13 अगस्त को संयुक्त टीम ने भूरीभडाज क्षेत्र में निरीक्षण किया। इस दौरान हीरामल मंदिर के पास चारागाह भूमि में करीब 120 टन खनिज बजरी का अवैध स्टॉक पाया गया। टीम ने मौके पर ही बजरी को जब्त कर लिया। मामले में अवैध स्टॉककर्ता मोतीलाल स्वामी एवं गिरिराज स्वामी के विरुद्ध खनिज विभाग की ओर से पुलिस थाना प्रागपुरा में एफआईआर दर्ज करवाई गई। कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए 14 अगस्त को भी संयुक्त टीम ने भूरीभडाज क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। चारागाह भूमि में अवैध खनन के लिए बनाए गए रास्तों को जेसीबी मशीन की मदद से गहरी खाइयां खोदकर अवरुद्ध कर दिया गया।

किशनगढ़बास में पहली बार जिला स्तरीय समारोह

किशनगढ़बास(निसं)। इस बार 15 अगस्त किशनगढ़बास के लिए महज एक तारीख नहीं, बल्कि गौरव और इतिहास से जुड़ा खास अवसर बनने जा रहा है। 80वें स्वाधीनता दिवस पर खैरथल-तिजारा जिले का जिला स्तरीय समारोह पहली बार किशनगढ़बास में आयोजित किया जाएगा। दशकों बाद जिले के प्रमुख सरकारी आयोजन की मेजबानी मिलने से शहरवासियों में खासा उत्साह है। जिला न्यायालय परिसर को स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से सजाया गया है। 15 अगस्त की सुबह जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास किशनगढ़बास न्यायालय परिसर में ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे।

इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और शहरवासियों में उत्साह का माहौल है। जिला स्तरीय समारोह को लेकर न्यायालय परिसर में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रात के समय रंग-बिरंगी रोशनियों से पूरा परिसर जगमगाता नजर आ रहा है। न्यायिक अधिकारी और कर्मचारी समारोह की व्यवस्थाओं में जुटे हैं, वहीं बार एसोसिएशन के अधिवक्ता भी आयोजन को यादगार बनाने में सहयोग कर रहे हैं।

स्थानीय अधिवक्ताओं का मानना है कि जिला स्तरीय समारोह की मेजबानी किशनगढ़बास के लिए सामान्य प्रशासनिक कार्यक्रम से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह आयोजन शहर की न्यायिक एवं प्रशासनिक पहचान से जुड़ी पुरानी स्मृतियों को फिर से जीवंत करने का अवसर है। किशनगढ़बास का प्रशासनिक और न्यायिक इतिहास गौरवशाली रहा है। एक समय यहां का न्यायिक क्षेत्र काफी विस्तृत था और आसपास के क्षेत्रों के लोग अपनी फरियाद और न्याय की उम्मीद लेकर किशनगढ़बास पहुंचते थे।समय के साथ तिजारा, टपूकड़ा, भिवाड़ी, कोटकासिम, मुंडावर सहित विभिन्न स्थानों पर न्यायिक संस्थान स्थापित होने से किशनगढ़बास के न्यायालयों का अधिकार क्षेत्र धीरे-धीरे सीमित होता गया। इसके चलते शहर की पुरानी न्यायिक पहचान भी प्रभावित हुई। अब जिला स्तरीय समारोह की मेजबानी मिलने से स्थानीय लोगों को उम्मीद जगी है।

कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

कोटपूतली, (निसं)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिले में कार्यक्रम आयोजित कर वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाजन के दौरान प्रभावित हुए लोगों के संघर्ष, पीड़ा एवं बलिदान को स्मरण करने के साथ युवा पीढ़ी को इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय से अवगत कराना रहा। साथ ही इतिहास से सीख लेकर सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे, शांति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तहत आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शित चित्रों, दस्तावेजों एवं ऐतिहासिक सामग्री के माध्यम से विभाजन के दौरान हुए विस्थापन, संघर्ष और आमजन की कठिन परिस्थितियों की जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां युवा पीढ़ी को देश के इतिहास से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास की घटनाओं को समझकर उनसे सकारात्मक सीख लेना जरूरी है, ताकि समाज में सौहार्द एवं राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत हो।

सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराकर एक हजार पौधों से संवारा

- 40 वर्षों से एक बीघा भूमि अतिक्रमण की चपेट में थी

किशनगढ़बास(निसं)। सार्वजनिक निर्माण विभाग किशनगढ़बास ने करीब 40 वर्षों से अतिक्रमण की चपेट में रही लगभग एक बीघा सरकारी भूमि को करीब तीन माह के लगातार प्रयासों एवं कानूनी नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण मुक्त कराया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए लगभग 1000 पौधों का रोपण किया गया। यह पूरी कार्रवाई अधीक्षण अभियंता श्री ओमप्रकाश किराड़ के निर्देशन में की गई। उनके मार्गदर्शन में अधिशासी अभियंता श्री आदेश कुमार यादव एवं सहायक अभियंता श्री विजय पाल यादव द्वारा आवश्यक विभागीय एवं कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए प्रशासन के सहयोग से भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

विभाग द्वारा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगभग तीन माह तक लगातार प्रयास किए गए। इस दौरान प्रचलित कानूनी नियमों एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई करते हुए प्रशासन से समन्वय स्थापित किया गया। अंततः लंबे समय से अतिक्रमण की चपेट में रही भूमि को मुक्त कराने में सफलता मिली। अतिक्रमण हटाने के बाद विभाग ने इस भूमि को पुनः अतिक्रमण की चपेट में आने से बचाने और इसका जनहित में बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई लगभग एक बीघा भूमि पर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मिलकर करीब 1000 पौधे लगाए गए। विभागीय स्टाफ ने पौधारोपण में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए भूमि को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आने वाले वर्षों में यह भूमि एक सुंदर एवं विकसित हरित क्षेत्र के रूप में तैयार हो सके। लगभग चार दशक से अतिक्रमित भूमि को कानूनी प्रक्रिया के तहत मुक्त कराकर उसका उपयोग हरियाली विकसित करने के लिए करना, सरकारी संपत्ति के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

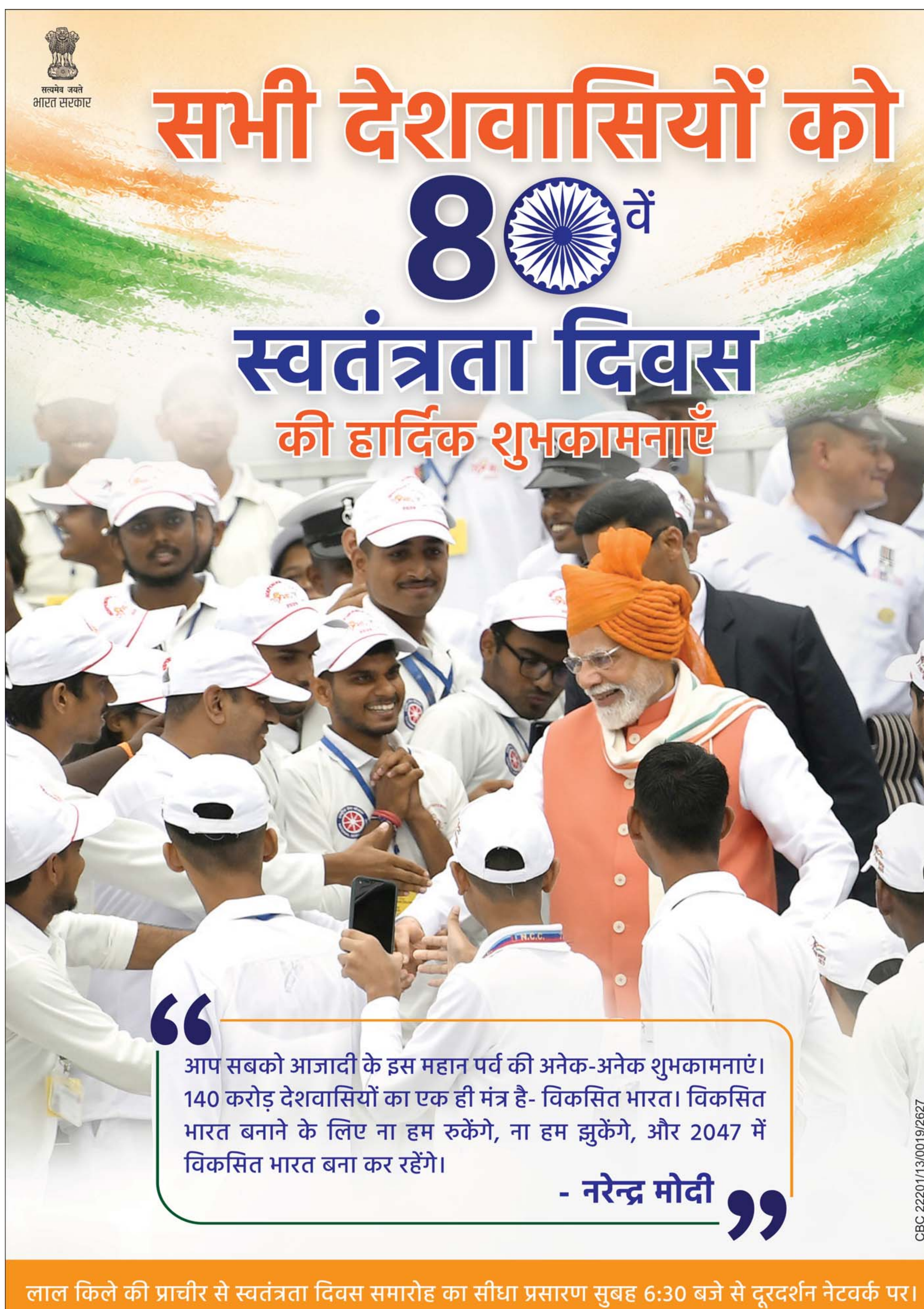

SKIT
SWAMI KESHVANAND INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MANAGEMENT & GRAMOTHAN
(An Autonomous Institute Affiliated to Rajasthan Technical University, Kota)
Recognized by UGC under section 2(f) of the UGC act 1956, Approved by AICTE, New Delhi
Creating Winners for Life
1 RANK BY RTU, KOTA 2017 - 2024
47 LPA HIGHEST PACKAGE BEST PLACEMENTS
6 ENGINEERING PROGRAMMES ACCREDITED BY NBA (NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION)
850+ RECORD PLACEMENTS
A++ NAAC
80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
Jaipal Meel (Director)
Ramnagaria, Jagatpura, Jaipur-302017 (Rajasthan)
www.skit.ac.in
admissions@skit.ac.in
ADMISSIONS HELPLINE
B.Tech.: 8505003008
M.Tech., Ph.D: 9799884938
MBA: 9680080686, 8302020007

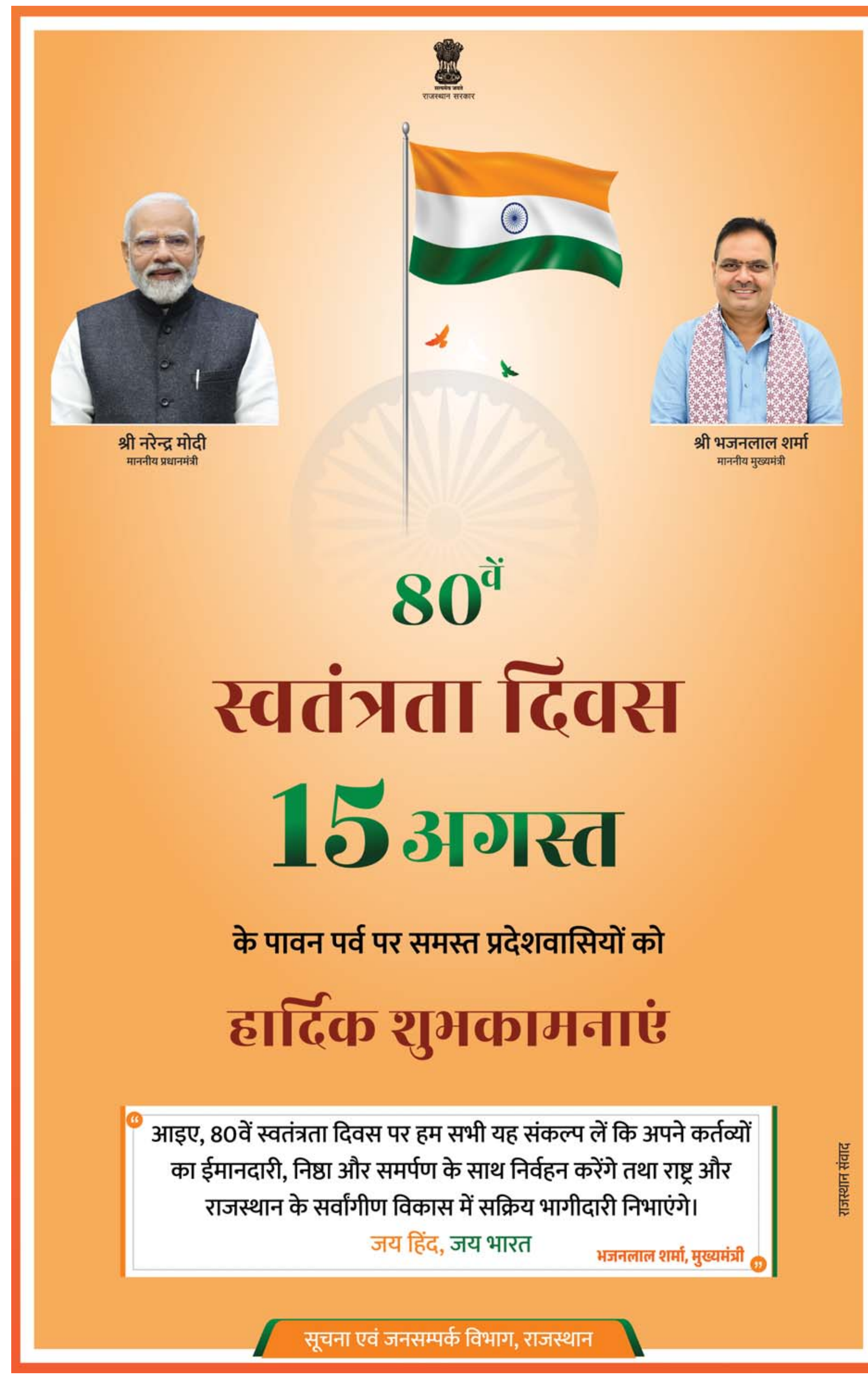
राजस्थान सरकार
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
80वें
स्वतंत्रता दिवस
15 अगस्त
के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
आइए, 80वें स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी यह संकल्प लें कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा राष्ट्र और राजस्थान के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।
जय हिंद, जय भारत
भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान
राजस्थान संवाद

राजस्थान सरकार
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
सक्षम नारी, स्वस्थ बचपन
समृद्ध राजस्थान
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
नारी शक्ति सम्मान उत्सव
मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
15 अगस्त 2026 | दोपहर 2 बजे | राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC), जयपुर
स्वास्थ्य
पोषण
सुरक्षा
सशक्तीकरण
रक्षा बंधन का उपहार
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं साथिनों को 1100 रुपये DBT की सौगात
खुशियों का संदेश लेकर आये
सिंजारा, तीज और राखी का त्योहार
पूरक पोषाहार कार्यक्रम
41 लाख से अधिक बच्चों और महिलाओं को किया जा रहा है लाभान्वित
प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना
14 लाख से अधिक मातृशक्ति को पंजीकृत कर, कुल ₹639.859 करोड़ की राशि हस्तांतरित
मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना
आंगनबाड़ी केंद्रों पर 3 से 6 वर्ष के 13 लाख से अधिक बच्चों को सप्ताह में पांच दिवस गर्म एवं मीठा दूध
मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना
6.50 लाख मातृशक्ति को लगभग ₹214 करोड़ से अधिक की राशि 100 प्रतिशत राज्य निधि द्वारा हस्तांतरित
राजस्थान संवाद
निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं,महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार